www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 श्रम बल में बढ़े महिलाओं की हिस्सेदारी, आधी आबादी से ही होगा विकसित भारत का निर्माण

भारत बोला-पाकिस्तान को इंसानियत के नाते बाढ़ का अलर्ट दिया 06

वर्ष :17 | अंक :146 | प्रयागराज , मंगलवार , 26 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

असम में तीन मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, सात करोड़ रुपये मूल्य की मॉर्फिन जब्त

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में अलग-अलग अभियान के दौरान मादक पदार्थ के तीन संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से सात करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मॉर्फिन और याबा टैबलेट सहित प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई है। शर्मा ने बताया कि श्रीभूमि जिले में दो और कार्बी आंगलोंग में शनिवार को एक अभियान चलाया गया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रविवार को एक पोस्ट में कहा, नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। श्रीभूमि पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में कल रात तीन करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की 20,000 याबा टैबलेट बरामद की गईं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। याबा टैबलेट भारत में अवैध है, क्योंकि इसमें मेथामफेटामीन होता है, जो नियंत्रित पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची-2 पदार्थ है।

दिल्ली में बारिश में सड़क पर फिसले मैकेनिक की बिजली का करंट लगने से मौत

पश्चिमी दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में बारिश के कारण फिसलने के बाद बिजली के खंभे से करंट की चपेट में आए एक मैकेनिक की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार रात करीब नौ बजकर 40 मिनट पर एक व्यक्ति ने पुलिस को केसर टी-प्वाइंट के पास बिजली का करंट लगने की सूचना फोन के माध्यम से दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पूछताछ के दौरान पता लगा कि इलाके से गुजरते समय बारिश के कारण कीचड़ भरी सड़क पर पवन यादव (40) फिसल गए और उनका हाथ बिजली के खंभे से जा लगा, जिससे वह बिजली के करंट की चपेट में आ गए। अधिकारी ने बताया कि यादव को बेहोशी की हालत में तुरंत एबीजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि उनके परिजन को सूचित कर दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यादव दोपहिया वाहन मैकेनिक के रूप में काम करते थे और वह बसई दारापुर में अपने परिवार के साथ रहते थे। पुलिस ने बताया कि मामले को लेकर जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली के खंभे में करंट आने की वे लोग कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आतंकियों को पीएम मोदी की चेतावनी, कहीं भी छिपे हों, बख्शा नहीं जाएगा

दुनिया ने देखा है कि भारत ने पहलगाम का बदला कैसे लिया: प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी बोले- हमारी सरकार ने गरीबों को सम्मानजनक जीवन दिया

रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

मोदी ने कहा कि पूरे देश में गणेश उत्सव को लेकर अद्भुत उत्साह है। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से आज गुजरात के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन हुआ है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे देश की जनता को कई विकास परियोजनाएं समर्पित करने का अवसर मिला है।

पीएम बोले- जिसे कोई नहीं पूछता, उसे मोदी पूजता है

पीएम मोदी ने कहा- 11 वर्षों में 3000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। रेलवे का विद्युतीकरण किया गया है। रामापीर पहाड़ियों में 1500 गरीबों को पक्के घर मिलेंगे। पूज्य बापू को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में साबरमती आश्रम का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है। हमारे दो महापुरुष। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बन गई है, मैं उस समय साबरमती आश्रम का जीर्णोद्धार करना चाहता था। लेकिन केंद्र सरकार अनुकूल नहीं थी और बापू भी अनुकूल नहीं थे। पूज्य बापू को सच्ची श्रद्धांजलि साबरमती आश्रम का जीर्णोद्धार है। इस जीर्णोद्धार के बाद, साबरमती आश्रम दुनिया की सबसे शांतिपूर्ण प्रेरणा भूमि बन जाएगा। जिसे कोई नहीं पूछता, उसे मोदी पूजता है।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे कहीं भी छिप सकते हैं, लेकिन उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भी प्रकाश डाला। अहमदाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आतंकवादियों और उनके आकाओं को नहीं छोड़ेंगे। वे कहीं भी छिप सकते हैं। दुनिया ने देखा है कि हमने पहलगाम हमले का बदला कैसे लिया। नरेंद्र मोदी ने 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं, जिनमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कदी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का आमान परिवर्तन शामिल है।

मोदी ने कहा कि पूरे देश में गणेश उत्सव को लेकर अद्भुत उत्साह है। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से आज गुजरात के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन हुआ है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे देश की जनता को कई विकास परियोजनाएं समर्पित करने का अवसर मिला है।

गुजरात मैन्युफैक्चरिंग हब बना

आज हर प्रकार की इंडस्ट्री का यहां विस्तार गुजरात की धरती पर हो रहा है। पूरा गुजरात ये देखकर गर्व करता है कि कैसे हमारा राज्य मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है। देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां फैक्ट्रियां लगा रही हैं। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग का भी गुजरात बहुत बड़ा सेंटर बन रहा है।

मेरे लिए किसान-पशुपालक सर्वोपरि

मैं अहमदाबाद की इस धरती से अपने लघु उद्यमियों, दुकानदारों और किसानों-पशुपालकों से कहूंगा। मैं हर किसी के लिए बार-बार वादा करता हूं कि मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है। मेरी सरकार लघु उद्यमियों का, किसानों का, पशुपालकों का कभी भी अहित नहीं होने देगी। गुजरात मैन्युफैक्चरिंग हब बना: आज हर प्रकार की इंडस्ट्री का यहां विस्तार गुजरात की धरती पर हो रहा है। पूरा गुजरात ये देखकर गर्व करता है कि कैसे हमारा राज्य मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है। देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां फैक्ट्रियां लगा रही हैं। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग का भी गुजरात बहुत बड़ा सेंटर बन रहा है।

उन्होंने कहा कि इस मानसून के मौसम में, गुजरात के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। देश में जिस तरह एक के बाद एक बादल फटने की घटनाएँ हो रही हैं, उससे होने वाली तबाही देखकर खुद को संभालना मुश्किल हो जाता है। मैं सभी प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। प्रकृति का यह प्रकोप पूरी मानव जाति, पूरे विश्व और पूरे देश के लिए एक चुनौती बन गया है। केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है।

घर सिर्फ आरोपी का नहीं...

बुलडोजर एक्शन पर गरजे सीजेआई गवई, बोले- कार्यपालिका जज नहीं बन सकती

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने बुलडोजर एक्शन पर एक बार फिर प्रहार किया. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कार्यपालिका न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती

एजेंसी

नई दिल्ली. पणजी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने बुलडोजर कार्रवाई को लेकर अपने ऐतिहासिक फैसले पर खुलकर बात की. उन्होंने साफ कहा कि किसी आरोपी को अदालत में दोषी साबित किए बिना उसके घर को गिराना नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है. सीजेआई गवई ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पिछले साल बुलडोजर जस्टिस पर सख्त रुख अपनाया था और देशभर के लिए गाइडलाइंस जारी की थीं. उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल इमारतें बचाने का नहीं, बल्कि संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा का प्रतीक था.

घर केवल आरोपी का नहीं होता

उखक गवई ने कहा, हम खुश हैं कि संविधान के संरक्षक के तौर पर हम उन लोगों के अधिकारों की रक्षा कर सके, जिनके घर बिना प्रक्रिया का पालन किए गिरा दिए गए थे.सीजेआई ने जोर देकर कहा कि घर केवल आरोपी का नहीं होता, बल्कि उसमें उसके परिवार के लोग भी रहते हैं. ऐसे में बिना सुनवाई और बिना कोर्ट के आदेश पूरा परिवार सजा भुगतता है जबकि उनकी कोई गलती नहीं होती. उन्होंने कहा कि यहां तक कि अगर कोई दोषी भी ठहराया जाता है तो भी वह कानून के शासन का हकदार है.

अगर कार्यपालिका को ही जज बनने दें

गवई ने अपने संबोधन में संविधान की मूल आत्मा यानी सेपरेशन ऑफ पावर्स का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि अगर कार्यपालिका को ही जज बनने दिया जाए तो यह शक्ति विभाजन की मूल अवधारणा पर सीधा हमला होगा. हमने यह सुनिश्चित किया कि कार्यपालिका जज की भूमिका न निभा सके. कानून का राज सर्वोपरि है और यही लोकतंत्र की असली ताकत है.

किसी सीएम को जेल से सरकार चलाने का हक नहीं

झूठे मामले में फंसाया गया, जेल से सरकार चला, अरविंद केजरीवाल ने अमित शाह पर साधा निशाना

शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार होने के बाद सरकार चलाने वाले केजरीवाल ने भाजपा मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां निर्दोष लोगों को झूठे आरोपों में जेल भेजा जाता है, वहीं गंभीर अपराधों में शामिल लोगों को अगर भगवा पार्टी से संबंधित हैं तो मंत्री बना दिया जाता है। केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि राजनीतिक साजिश के तहत जब केंद्र सरकार ने मुझे झूठे मामले में फंसाया और जेल भेज दिया, तो मैंने जेल से 160 दिनों तक सरकार चलाई।

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान (130वें संशोधन) विधेयक के खिलाफ विपक्षी दलों द्वारा किए जा रहे 'काले बिल' विरोध प्रदर्शनों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि वह और भाजपा दोनों इस विचार को पूरी तरह से खारिज करते हैं कि देश उस व्यक्ति के बिना नहीं चलाया जा सकता जो जेल में बंद है. उन्होंने पूछा कि क्या कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी नेता जेल से देश चला सकता है. शाह ने हाल ही में संपन्न संसद के मानसून सत्र में एक विधेयक पेश किया था. इसके अनुसार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को अगर पाँच साल से अधिक की जेल की सजा वाले अपराधों के लिए 30 दिनों से अधिक जेल में रखा जाता है तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है. संसद में विपक्ष ने इस विधेयक का विरोध किया और इसे असंवैधानिक करार दिया. विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने, गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को फंसाने, उन्हें जेल में डालने और राज्य सरकारों को अस्थिर करने का एक तरीका है.

शाह का संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष पर हमला

गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष के रवैये की जमकर आलोचना की. कहा कि ये राजनीतिक कपटता है.

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले शुभांशु शुक्ला, परिवार संग साझा किया गौरव का पल

शुभांशु शुक्ला के नाम से छात्रवृत्ति योजना शुरू करेगी योगी सरकार

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि आप अपनी सफल यात्रा के बाद अब लखनऊ वापस आ गए हैं। उत्तर प्रदेश इस यात्रा से प्राप्त अनुभवों का लाभ उठाना चाहेगा।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जिन्होंने हाल ही में एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ऐतिहासिक मिशन को पूरा किया। पर एक पोस्ट में, यूपी मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिखा कि आज, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के लखनऊ स्थित आधिकारिक आवास पर, राष्ट्र के सपूत, अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जी ने ऐतिहासिक एक्सिओम 4 मिशन के सफल संचालन और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से उनकी सुरक्षित वापसी के बाद शिष्टाचार भेंट की।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि आप अपनी सफल यात्रा के बाद अब लखनऊ वापस आ गए हैं। उत्तर प्रदेश इस यात्रा से प्राप्त अनुभवों का लाभ उठाना चाहेगा। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मैंने इस तरह के उत्साह की उम्मीद नहीं की थी। मैं सचमुच अभिभूत हूँ। घर वापस आकर अच्छा लग रहा है।

इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने भी दी शुभांशु शुक्ला को बधाई

वहीं इस कार्यक्रम में इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन कहते हैं, शुभांशु शुक्ला गए और वापस आए और उन्होंने एक उत्कृष्ट कार्य किया है. इस अवसर पर इसरो के अध्यक्ष के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं गगनयान के सभी चार अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दूं. बेशक, केवल एक ही व्यक्ति को उड़ान भरने का अवसर मिला था और वह ऐसा करने के लिए भाग्यशाली था. इसलिए मैं सबसे पहले शुभांशु शुक्ला को इस महान उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं.

हिमाचल में कहर बनकर बरस रही बरसात, प्रदेश में 480 से अधिक सड़कें ठप, शिक्षण संस्थान बंद

हिमाचल प्रदेश में बारिश का तांडव जारी है. भारी बारिश को देखते हुए शिक्षण संस्थान बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं.

एजेंसी

शिमला/कांगड़ा: हिमाचल में बरसात के मौसम में तबाही का मंजर जारी है. पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश, बादल फटने और लैंडस्लाइड की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. आपदा का आलम यह है कि सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं, सड़कें बाधित होने से बागवान और किसान परेशान हैं. इस बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर से प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है.

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सूचना आयोग का आदेश पलटा

2016 में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने 1978 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यह परीक्षा उत्तीर्ण की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर जनवरी 2017 में सुनवाई की पहली तारीख को रोक लगा दी गई थी।

एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयुक्त के उस आदेश को रद्द करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्नातक की डिग्री का विवरण सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है, जिसमें डिग्री जारी करने का निर्देश दिया गया था। 2016 में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने 1978 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यह परीक्षा उत्तीर्ण की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर जनवरी 2017 में सुनवाई की पहली तारीख को रोक लगा दी गई थी। सुनवाई के दौरान, विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि आरटीआई आवेदन पर सीआईसी के आदेश को रद्द कर दिया जाना चाहिए क्योंकि निजता का अधिकार जानने के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने तर्क दिया कि वह छात्रों की जानकारी को एक प्रत्ययी क्षमता में रखता है।

तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा 'शिक्षा ही समाज को बदलने का एकमात्र रास्ता'

एजेंसी

हैदराबाद: तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद में एक दमदार भाषण देकर स्टूडेंट्स को जोश से भर दिया. उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र जरिया है, जिससे समाज में बदलाव लाया जा सकता है. गौर करें तो तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से इस संस्थान में भाषण देने वाले रेवंथ पहले मुख्यमंत्री बने.

भड़के सैयदा हमीद पर भड़के असम के सीएम

बांग्लादेशी घुसपैठियों की इतनी ही परवाह है तो अपने घरों में जगह दो...

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को योजना आयोग की पूर्व सदस्य सैयदा हमीद की उस टिप्पणी पर निशाना साधा जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि बांग्लादेशी भारत में रह सकते हैं। उन्होंने उन पर राज्य में अवैध घुसपैठियों को वैध ठहराने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि असम में बांग्लादेशियों का स्वागत नहीं है और कहा कि जो लोग उनसे सहानुभूति रखते हैं, वे उन्हें अपने घर में जगह दे सकते हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, सरमा ने लिखा कि गांधी परिवार की करीबी विश्वासपात्र सैयदा हमीद जैसे लोग अवैध घुसपैठियों को वैध ठहराते हैं, क्योंकि वे असम को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने के जिन्ना के सपने को साकार करना चाहते हैं। आज, उनके जैसे लोगों के मौन समर्थन के कारण असमिया पहचान विलुप्त होने के कगार पर है। लेकिन हम लचित बरफुकन के बेटे और बेटियाँ हैं, हम अपने राज्य और अपनी पहचान को बचाने के लिए अपने खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे। उन्होंने आगे लिखा कि मैं यह स्पष्ट कर दूँ कि असम में बांग्लादेशियों का स्वागत नहीं है, यह उनकी जमीन नहीं है। उनसे सहानुभूति रखने वाला कोई भी उन्हें अपने घर में जगह दे सकता है। असम अवैध घुसपैठियों के कब्जे में नहीं है, न अभी, न कभी। यह टिप्पणी असम सिविल सोसाइटी और अन्य सामाजिक समूहों द्वारा आयोजित एक जनसभा के एक दिन बाद आई है, जिसे हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण और अन्य गणमान्य लोगों ने संबोधित किया था। उस बैठक में, कुछ पत्रकारों ने सैयदा हमीद की एक बाइट ली, जिसमें उन्होंने वे टिप्पणियाँ कीं जिनकी आलोचना हुई। सैयदा हमीद की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि घुसपैठियों को राज्य छोड़ना होगा और कांग्रेस रोती रह सकती है। असम के मंत्री पीयूष हजारिका द्वारा साझा किए गए वीडियो में, सैयदा हमीद कहती नजर आईं, बांग्लादेशी होने में क्या गलत है? बांग्लादेशी भी इंसान हैं, और दुनिया इतनी बड़ी है कि वे यहाँ (भारत) रह सकते हैं,

वे किसी को उनके अधिकारों से वंचित नहीं कर रहे हैं... यह कहना कि वे किसी को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं, परेशान करने वाला, बेहद शरारती और मानवता के लिए हानिकारक है।

एक्स पर एक पोस्ट में, सरमा ने लिखा कि गांधी परिवार की करीबी विश्वासपात्र सैयदा हमीद जैसे लोग अवैध घुसपैठियों को वैध ठहराते हैं, क्योंकि वे असम को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने के जिन्ना के सपने को साकार करना चाहते हैं।

डबल इंजन की सरकार के बावजूद राजस्थान रिफाइनरी का काम धीमा: अशोक गहलोत

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रही एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) का निरीक्षण किया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पचपदरा में प्रस्तावित राजस्थान रिफाइनरी के कार्य की धीमी गति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को सवाल किया कि डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों है? गहलोत ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने 2025-26 की बजट घोषणा संख्या 158 में यह कहा था कि पचपदरा-बालोतरा स्थित रिफाइनरी अगस्त 2025 से उत्पादन शुरू कर देगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रिफाइनरी का दौरा किया, परंतु दोनों के बयानों और सरकारी प्रेस नोट में रिफाइनरी के उत्पादन शुरू होने की तारीख का कोई जिक्र नहीं था। यह आश्चर्यजनक चुप्पी जनमानस में संदेह उत्पन्न कर रही है। गहलोत के अनुसार, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान, कोरोना महामारी के बावजूद रिफाइनरी का काम तेजी से हुआ और 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2013 से 2018 और अब 2023 से भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण 37,000 करोड़ की इस परियोजना की लागत बढ़कर लगभग एक लाख करोड़ तक पहुंच गई है।

सम्पादकीय

सुधार की दिशा में उठे कदम, जीएसटी में सुधार से आत्मनिर्भर भारत अभियान को मिलेगा बढ़ावा

जीएसटी में सुधारों का आर्थिक प्रभाव मेक इन इंडिया को बढ़ावा देगा प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा उद्यमों को औपचारिक स्वरूप अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा अनुपालन में सुधार करेगा कारोबारी सुगमता बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर भारत के अभियान को आगे बढ़ाएगा। इससे जहां महंगाई की स्थिति सुधरेगी वहीं जीडीपी में 0.20 से 0.22 प्रतिशत का योगदान बढ़ेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन की चर्चा अभी तक जारी है। लाल किले की प्राचीर से दिया गया उनका संबोधन ऊर्जावान, प्रेरक और आश्वस्तकारी था। व्यापक विषयों के समावेश वाले इस भाषण में भविष्य की झलक भी दिख रही थी। इस संबोधन में उस नेता की भावनाएं मुखर हो रही थीं, जिसने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की आकांक्षाओं से ओतप्रोत किया है। राष्ट्रीय मनोबल को बढ़ाने वाले उनके संबोधन की गूंज पूंजी बाजार तक सुनाई दी। इससे सेंसेक्स में तेजी और रुपये की स्थिति में मजबूती का रुख दिखा। आर्थिक समृद्धि और किसी राष्ट्र की सुरक्षा का संबंध भू-राजनीतिक तथा ऊर्जा सुरक्षा के साथ गहराई से जुड़ा होता है। मोदी ने अपने सारगर्भित संबोधन में बताया कि ये तीनों सुरक्षा तत्व किस तरह उनके दृष्टिकोण में भारत के भविष्य का तानाबाना बुनेंगे। आर्थिक वृद्धि के संदर्भ में महान अर्थशास्त्री जान मेनार्ड कींस ने एनिमल स्पिरिट यानी उत्साही प्रवृत्ति की आवश्यकता रेखांकित की थी। इस उत्साही प्रवृत्ति को कारोबारी सुगमता और जीवन सुगमता से प्रोत्साहन मिलता है। इस दिशा में वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी में सुधारों की घोषणा महत्वपूर्ण और दूरगामी असर करने वाली रही। जुलाई 2017 में तमाम जटिल करों और अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करते हुए एक राष्ट्र-एक कर जैसी संकल्पना के साथ जीएसटी अस्तित्व में आया। इसे 1991 के बाद का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार करार दिया गया। इसने कर राजस्व बढ़ाने के साथ अनुपालन को बेहतर बनाया। इसके चलते निवेश बढ़ा और एकीकृत बाजार के रूप में भारत का कायाकल्प हुआ। जीडीपी वृद्धि पर भी इसका सकारात्मक असर पड़ा। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों के बावजूद इसने संघीय सहमति का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। हालांकि इसमें कायम कुछ विसंगतियां उद्यमों, राजस्व और विभिन्न हितधारकों पर प्रतिकूल प्रभाव भी डाल रही थीं। इसमें टैक्स ढांचे की जटिलता, नियमों और दरों में अक्सर होने वाले परिवर्तन, इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ जुड़े मसले और कुछ मामलों में अनुपालन बोझ जैसे मुद्दे शामिल हैं। अच्छी बात है कि इन विसंगतियों का संज्ञान लेकर सुधार की दिशा में कदम बढ़ाने की पहल हुई है। जीएसटी सुधारों का प्रस्तावित उद्देश्य मौजूदा चुनौतियों का समाधान करना और इसे एक विश्वस्तरीय अप्रत्यक्ष कर संरचना में बदलना है।

आज का विचार

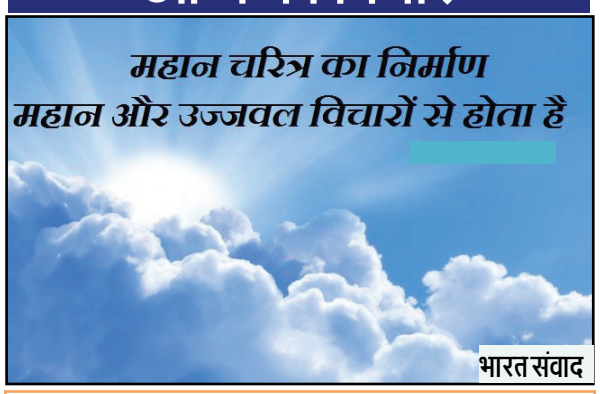

राशिफल

मेष राशि: व्यापार के मामले में आप कोई विशेष व्यवस्था करने में लगे रह सकते हैं। कारोबार आगे बढ़ाने के लिए भी योजना बनाई जा सकती हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव आने की संभावना है। ऐसे में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा।

वृषभ राशि : आपका दिन व्यापार और आर्थिक मामलों में अच्छा रहने वाला है। कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है और आर्थिक मामलों में धन में वृद्धि होने की भी संभावना है। साथ ही, समाज में आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

मिथुन राशि : कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऐसे में शारीरिक थकान भी महसूस होगी और आप किसी बात को लेकर ज्यादा चिंता में रह सकते हैं। ऐसे में कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना आपके लिए बेहतर होगा।

कर्क राशि: आपको कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है या आर्थिक मामलों में लाभ मिल सकते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ कुछ खर्च भी बढ़ेंगे। ऐसे में आपके लिए बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में अगर लंबे समय से कोई काम रुका हुआ था, तो वह अब पूरा हो सकता है।

सिंह राशि: आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यापार में लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी की मदद से आपको लाभ मिल सकता है और व्यावसायिक स्थान परिवर्तन सकारात्मक सिद्ध होने की संभावना है।

कन्या राशि : दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी सलाह लेने आ सकते हैं या मार्गदर्शन की अपेक्षा कर सकते हैं। ऐसे में उनकी सलाह करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। यही लोग भविष्य में आपके सहयोगी भी बन सकते हैं।

तुला राशि : आपका दिन आनंदमय रहने वाला है और भाग्य का भी काफी हद तक सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किसी मित्र की सलाह या सहयोग से आपके बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं। व्यापार के मामले में समय अनुकूल रहेगा।

वृश्चिक राशि: कार्यक्षेत्र में कुछ बिगड़े हुए कार्यों को आपको सुधारने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में दिन थोड़ा व्यस्त रहेगा। व्यापार के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर आगे बढ़ना लाभदायक सिद्ध हो सकता है और इससे आपको सफलता प्राप्त होने की भी संभावना है।

धनु राशि : आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है। इसी के चलते आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में चल रही समस्याओं को आप अपनी समझदारी और बुद्धिमानी से दूर कर देंगे।

मकर राशि : कार्यक्षेत्र में अपने जरूरी कामों को पूरा करने में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। ऐसे में शारीरिक थकान भी महसूस हो सकती है। आपको अपने व्यापार की ओर ज्यादा ध्यान देना होगा और सोच-समझकर फैसले लेना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में अधूरे पड़े कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

कुंभ राशि : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ के योग बनेंगे। धन में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा और कार्यक्षेत्र में रुके हुए कार्य अब पूरे हो सकते हैं। साथ ही, विरोधियों की योजनाएं भी फेल हो जाएंगी और आपको सफलता प्राप्त होगी।

मीन राशि : कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त हो सकती है और सांसारिक सुख के साधनों में भी वृद्धि होगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है। अगर लंबे समय से आपके जरूरी काम बीच में अटके थे तो अब वे पूरे हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों की तरफ आपकी रुचि बढ़ सकती है और घर में किसी मांगलिक कार्य के आयोजन होने का भी योग है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

श्रम बल में बढ़े महिलाओं की हिस्सेदारी, आधी आबादी से ही होगा विकसित भारत का निर्माण

आर्थिकी में महिलाओं की कम भागीदारी विकास पर नकारात्मक असर डाल रही है। इसे बदलना होगा। कर्नाटक की शक्ति योजना जो महिलाओं को मुफ्त सार्वजनिक बस यात्रा प्रदान करती है एक बेहतरीन उदाहरण है। 2023 में इसके लांच के बाद से महिला यात्रियों की संख्या में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है, लेकिन इस प्रगति पर अब एक खतरा मंडरा रहा है। वह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय निर्यात पर प्रस्तावित 50 प्रतिशत का भारी-भरकम टैरिफ। यह टैरिफ भारत से अमेरिका को होने वाले 40 अरब डालर के व्यापार को निशाना बनाता है। इससे देश की जीडीपी में लगभग एक प्रतिशत की कमी आ सकती है। यह टैरिफ कपड़ा और रत्न जैसे उन श्रम-प्रधान क्षेत्रों में लाखों भारतीय महिलाओं के रोजगार को अस्थिर कर सकता है, जहां उनकी भागीदारी सबसे अधिक है। लगभग 5.5 करोड़ लोगों को रोजगार देने वाले कपड़ा और रत्न जैसे क्षेत्र 50 प्रतिशत तक के निर्यात में गिरावट का सामना कर सकते हैं। इसके विपरीत चीन अपनी विनिर्माण क्षमता और अफ्रीका, यूरोप जैसे क्षेत्रों में निर्यात विविधीकरण के कारण अमेरिकी टैरिफ की चुनौती का सामना करने में सक्षम दिख रहा, जबकि भारत इस मामले में असुरक्षित है। इसकी दो मुख्य वजहें हैं-एक तो भारत का 18 प्रतिशत निर्यात अमेरिका पर निर्भर है और दूसरा, वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारतीय उत्पाद 30-35 प्रतिशत तक महंगे हैं, जो एक बड़ी चुनौती है। ऐसे संकट के समय में महात्मा गांधी के शब्द प्रासंगिक लगते हैं, ह्लकिसी राष्ट्र की ताकत उसकी महिलाओं में निहित होती है। ऐसे में आधी आबादी को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर हम भी इस चुनौती से पार पा सकते हैं। भारत में महिला श्रम बल की बेहद कम भागीदारी है, जो 37 प्रतिशत से 41.7 प्रतिशत के बीच बनी हुई है। जबकि वैश्विक औसत और चीन की दर लगभग 60 प्रतिशत है। चीन, जापान और अमेरिका जैसे देश इस बात का प्रमाण हैं कि जब महिलाएं अर्थव्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो समावेशी विकास संभव हो पाता है। जापान ने वुमेनामिक्स रणनीति अपनाकर महिला भागीदारी को 74 प्रतिशत तक पहुंचाया है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूती भी महिलाओं की भागीदारी से मिली है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि इस लैंगिक अंतर को समाप्त करने से भारत 2025 तक अपनी जीडीपी में 27 प्रतिशत यानी 770 अरब डालर की वृद्धि कर सकता है। 2047 तक यह आंकड़ा 14 लाख करोड़ डालर तक पहुंच सकता है, पर इसके रास्ते में सांस्कृतिक रूढ़िवादिता, नीतिगत निष्क्रियता और रोजगार के लिए प्रणालीगत बाधाएं आड़े आ सकती हैं। आर्थिकी में महिलाओं की कम भागीदारी और अब टैरिफ का खतरा-देश की आर्थिक क्षमता को और कमजोर कर सकता है। भारत इस समय अपने जनसांख्यिकीय लाभांश के शिखर पर है। यह एक ऐसा दौर है जब काम करने वाली आबादी आश्रितों की तुलना में बहुत अधिक है। यह अवसर सीमित समय के लिए है और 2045 तक समाप्त हो जाएगा। चीन, जापान और अमेरिका जैसे देश इसी अवसर का लाभ उठाकर विकसित हुए हैं। भारत को इस क्षणिक अवसर को स्थायी समृद्धि में बदलने के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। इसका एकमात्र रास्ता महिलाओं को पूरी तरह से कार्यबल में शामिल करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में थोड़ी वृद्धि हुई है, लेकिन यह ज्यादातर अवैतनिक और पारिवारिक कार्यों तक सीमित है, जिसकी उत्पादकता कम है। दूसरी ओर, शहरी भारत में महिला श्रम बल भागीदारी स्थिर बनी हुई है। इसके अलावा असुरक्षित सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता की कमी और अवैतनिक देखभाल कार्य का भारी बोझ महिलाओं को शिक्षा और रोजगार दोनों से दूर करता है। आर्थिकी में महिलाओं की कम भागीदारी विकास पर नकारात्मक असर डाल रही है। इसे बदलना होगा। कर्नाटक की शक्ति योजना, जो महिलाओं को मुफ्त सार्वजनिक बस यात्रा प्रदान करती है, एक बेहतरीन उदाहरण है। 2023 में इसके लांच के बाद से महिला यात्रियों की संख्या में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इस योजना ने महिलाओं की काम, शिक्षा और उद्यम के लिए गतिशीलता को बढ़ाया है, खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में। इससे महिलाओं की नौकरी तक बेहतर पहुंच बनी है, पुरुष परिवार के सदस्यों पर निर्भरता कम हुई है और उनकी स्वायत्तता बढ़ी है। इसी तरह राजस्थान की इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना ने चार करोड़ से अधिक मानव-दिवस का काम सृजित किया है, जिसमें लगभग 65 प्रतिशत नौकरियां महिलाओं को मिली हैं।

भारत,रूस,चीन बनाम अमेरिका और यूरोपियन देश

अमेरिका में 60वें राष्ट्रपति चुनाव के बाद चुनाव से अमेरिका में 47 वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा 50 वें उपराष्ट्रपति जे डी वेन्स चुने गए। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के पूर्व घोषणा की थी कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वे रूस यूक्रेन युद्ध और इसराइल हमास युद्ध को तत्काल रुकवाएंगे और वैश्विक आर्थिक तथा सामरिक शांति का प्रादुर्भाव करेंगे। अमेरिका एक शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी नीतियां, राजनीति एवं कूटनीति पूरी दुनिया के देशों को प्रभावित करती है। वह राजनीतिक सामरिक अथवा व्यापारिक लेनदेन के समझौते या युद्ध में मदद की बात को लेकर अमेरिका का दखल लगभग सभी मसलों में एक जैसा रहता है। यह अलग मुद्दा है कि पश्चिम एशिया,चीन, रूस एवं नॉर्थ कोरिया जैसे देश अमेरिका के धुर विरोधी रहे हैं। चीन और रूस के सामरिक, व्यापारिक और एटॉमिक मसलों पर अमेरिका से टकराते रहे हैं। यह गौर किए जाने वाली बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ही अमेरिका सहित अन्य कई देशों के दिशा-निर्देश तय करते थे, पर राष्ट्रपति चुने के जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणाओं के उलट ना तो वे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवा पाए हैं बल्कि ईरान पर बड़े हवाई जहाज हमले से एक नया विवाद खड़ा कर दिया था ले देकर ईरान इजरायल युद्ध रुकवा पाए हैं। दूसरी तरफ नए आयात टैरिफ लगाकर पूरे वैश्विक देश में बेचैनी तथा खलबली मचा दी है। वैश्विक आर्थिक सलाहकार और विशेषज्ञ किस डोनाल्ड ट्रंप की सनक ही बता रहे हैं। और उनके आयत टैरिफ को बहुत ही अपरिपक्व निर्णय की संज्ञा दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय देश तथा अन्य पश्चिमी देशों में आयात शुल्क पर काफी दरियादिली दिखाई है और यही वजह है कि नाटो तथा अन्य यूरोपीय देश अमेरिका का अभी भी समर्थन कर रहे हैं।अमेरिका के चुनाव के नतीजे से भारत के रिश्तों में काफी परिवर्तन हुआ है, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं डोनाल्ड ट्रंप के संबंध निजी तौर पर काफी प्रगाढ़ रहे थेजो। डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता के खिलाफ रहे पर अब पाकिस्तान पर उनकी मेहरबानियां काफी बढ़ गई है। उन्होंने पाकिस्तान सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच में बुलाकर पाकिस्तान के प्याले में तूफान लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की निराश उम्मीद पर पंख लग गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतकर चीन पर भी नियंत्रण रखने का प्रयास किया है । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन रूस यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल लिए जाने पर खासा नाराज हुए थे। भारत पर काफी दबाव भी डाला गया पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि रूस भारत का परंपरागत मित्र होने की वजह से और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध रूस ने भारत की एक तरफा मदद भी की थी। ऐसे में भारत स्पष्ट रूप से रूस के साथ सामरिक-आर्थिक मामलों में खड़ा हुआ है।

आज की ताजा परिस्थिति का आंकलन करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती उनके चुनाव के परम सहयोगी टेस्ला के मालिक से पूरी तरह टूट चुकी है, दूसरी तरफ भारत तथा चीन ब्राजील व अन्य राज्यों पर भारी आयात शुल्क लगाने पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी नीति खुलकर सामने आ गई है अमेरिका ने पाकिस्तान जैसे महत्वहीन और फकीर देश को अपना नया शागिर्द बना लिया है। ट्रंप और पुतिन की रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता पूर्ण रूप से विफल रही, पुतिन ने अपनी शर्तें डोनाल्ड ट्रंप को साफ तौर पर बता कर कह दिया कि यूक्रेन को नाटो की किसी भी परिस्थिति में सदस्यता ना दी जाए। उधर यूक्रेन ने भी अमेरिका से बातचीत के बाद उसका रूस के साथ युद्ध विराम वाले आदेश को मानने से साफ इनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस द्वारा भारत को कम कीमत पर कच्चे तेल निर्यात किए जाने से कुपित होकर भारत पर 25 से लेकर 50% तक आयात शुल्क लागू किया है। भारत ने इस अमेरिकी रुख पर अडिग होकर भारतीय व्यापार तथा नागरिकों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। और अमेरिका का वैकल्पिक बाजार तलाशने के तारतम्य में रूस के साथ दोस्ती को और मजबूत कर चीन के साथ भी दोस्ताना हाथ बढ़ाया है। विदेश मंत्री जयशंकर और एनआईए प्रमुख अजीत डोभाल की चीन की यात्रा उसके तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की है, जिससे भारत चीन व्यापारिक तथा कूटनीतिक संबंधों तेजी और थोड़ी प्रगाढ़ता आई है। भारतीय प्रधानमंत्री भारत और चीन के नए संबंधों के समीकरणों को मजबूत करने के लिए चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले हैं। भारत और चीन के आपसी संबंध मधुर होते ही रूस ने इसका स्वागत किया है। अब भारत रूस चीन तथा ब्राजील एक नए धरातल पर खड़े नजर आ रहे हैं। भारत रूस चीन की त्रिकोणीय जोड़ी विश्व में अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के विरुद्ध एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरती दिखाई दे रही है। यह अलग अलग बात है कि चीन भी अमेरिका से कम धोखेबाज नहीं है भारत का चीन के साथ पुराने अनुभव बहुत मधुर नहीं रहे हैं। किंतु बदली हुई परिस्थितियों में डोनाल्ड ट्रंप के इस आर्थिक तथा टैरिफ युद्ध के कारण भारत और चीन काफी नजदीक आ गए हैं। चीन के राष्ट्रपति श्री जिनपिंग ने भारत की मित्रता के लिए अपने रुख को स्पष्ट कर दिया है और अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ का खुलकर विरोध भी किया है। इसके अलावा रूस ने डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में अपनी बातचीत के दौरान भारत का पक्ष लेकर डोनाल्ड ट्रंप को आडे हाथों में भी लिया था और यही वजह है कि भारत रूस और चीन अब एक प्लेटफार्म पर खड़े होकर डोनाल्ड ट्रंप तथा यूरोपीय देशों के लिए चुनौती बने के लिए अग्रसर है। इस नए घटनाक्रम के नतीजतन डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय देशों खासकर नाटो देश में काफी खलबली तथा बेचैनी नजर आ रही है। अब निश्चित तौर पर भविष्य ही तय करेगा की भारत की यह नई मित्रता डोनाल्ड ट्रंप के विरुद्ध कितनी कारगर साबित होगी।

लोकतांत्रिक शुचिता के जरूरी है जेल से सरकार पर संविधान का अंकुश

हरीश शिवननी

इस बार सांसद का मानसून सत्र दो विशेष कारणों से याद रखने योग्य है। संसद अपने तयशुदा कार्यक्रम 120 घंटे की बजाए महज 37 घन्टे ही काम कर पाई। दूसरा, सत्र के अंतिम दिन पेश किए गए प्रस्तावित130 वें संविधान संशोधन की वजह से मचा बवाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 20 अगस्त को लोकसभा में 130वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। बिल कहता है कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री अगर लगातार 30 दिन तक जेल में बंद रहता है, और आरोप ऐसा है कि उसमें 5 साल या उससे ज्यादा की सजा हो सकती है, तो उसे पद से हटना पड़ेगा या उसका पद अपने आप समाप्त हो जाएगा। प्रस्तावित संशोधन विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75, अनुच्छेद 164 और अनुच्छेद 239अअ में बदलाव करेगा। यह प्रस्ताव फिलहाल संसदीय समिति के विचाराधीन है, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस,राष्ट्रीय जनता दल और अन्य दलों का इसका जबरदस्त विरोध करना शुरू कर दिया है। इन दलों का आरोप है कि सरकार यह संशोधन विरोधी दलों को राजनीतिक साजिश में फंसाने के उद्देश्य से लाई है। दूसरी तरफ सरकार का दावा है कि इस विधेयक से राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराध पर लगाम लगाई जा सकेगी। भारतीय संसदीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले जनप्रतिनिधियों का बढ़ता आंकड़ा भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरों में से एक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच की साझा रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान 18वीं लोकसभा में 46 फीसदी के साथ ये संख्या 251 है। हालांकि संविधान का अनुच्छेद 102 और 191 दोषसिद्धि पर सांसदों-विधायकों को अयोग्य ठहराते हैं लेकिन संविधान में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है जिससे किसी प्रधानमंत्री या मंत्री को गंभीर आरोपों में गिरफ्तारी के बाद हटाया जा सके। इस कमी के कारण भ्रष्टाचार और अनैतिकता को बल मिलता है। प्रस्तावित विधेयक ठीक यही करता है- यह गिरफ़्तारी और दोषसिद्धि के बीच के खालीपन को भरता है, संवैधानिक शिष्टता के सिद्धांत और लोकतांत्रिक शुचिता को कायम रखता है। दरअसल इस विधेयक को लाने के मूल में स्वयं विपक्ष ही जिम्मेदार है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के मंत्री सत्येंद्र जैन और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पद पर रहते हुए विभिन्न आरोपों में गिरफ़्तार होकर जेल तो गए लेकिन पद पर बने रहे। बाद में यही हालात तब बने जब शराब घोटाले में गिरफ़्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल पहुंचे लेकिन इस्तीफा देने की बाजार जेल से ही सरकार चलाने लगे और जेल को राजनीतिक कार्यालय में बदल दिया। यह भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति का पतन काल था। इनसे पहले बिहार के लालूप्रसाद यादव, तमिलनाडु की जयललिता और एम करुणानिधि, मध्यप्रदेश की उमा भारती और झारखंड के मधु कोड़ा और हेमंत सोरेन भी विभिन मामलों में गिरफ़्तार हुए लेकिन उन्होंने गिरफ़्तारी के साथ ही इस्तीफा दे दिया था। दरअसल किसी मामले में दोषी सिद्ध सांसदों, विधयकों और मंत्रियों को अयोग्य घोषित करने की शुरूआत परोक्ष रूप से राहुल गांधी ने ही की। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई 2013 के एक फैसले कहा था कि किसी सांसद या विधायक को दो वर्ष या अधिक सजा होने पर उसे तत्काल अयोग्य घोषित कर देना चाहिए। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए सरकार इस फैसले को ओवर राइड करने के उद्देश्य से 24 सितंबर 2013 को कैबिनेट द्वारा अनुमोदित एक अध्यादेश ले आई, इसका उद्देश्य दोषी ठहराए गए सांसदों और विधायकों को तत्काल अयोग्य घोषित होने से बचाना था।

आइसा कल करेगा धरना प्रदर्शन

प्रयागराज के धरना स्थल पर जुटेंगे कार्यकर्ता, दिल्ली में कार्यकताओं पर लाठीचार्ज से आक्रोश

भारत संवाद

प्रयागराज, दिल्ली के रामलीला मैदान में चल रहे एसएससी आंदोलन का आइसा यानी ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन समर्थन करता है। इस आंदोलन में छात्रों के साथ दिल्ली पुलिस के द्वारा की गई क्रूरता का विरोध किया जाएगा। कार्यकताओं ने दिल्ली पुलिस द्वारा शांतिपूर्वक रामलीला मैदान में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के ऊपर बर्बर लाठी चार्ज तथा हिरासत में लिए जाना अभिव्यक्ति की आजादी तथा युवाओं के मौलिक अधिकार का हनन है। इसके विरोध में कल मंगलवार को कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करेंगे। आइसा के पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया, एसएससी भर्ती परीक्षा में उत्तरदायित्व तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अभ्यर्थियों का आंदोलन शांतिपूर्वक तरीके से एक लोकतांत्रिक मांग को लेकर चल रहा है। ऐसे में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे युवाओं के ऊपर लाठी बरसाना और हिरासत में लेना सरकार की युवा विरोधी तथा रोजगार विरोधी चरित्र को उजागर करता है। इस घटना के खिलाफ प्रदेश भर के युवा आक्रोशित हैं।

अफसर ने रेलकर्मी से की गाली-गलौज, हंगामा

रेलवे कर्मचारियों ने पैदल मार्च निकाला, विरोध प्रदर्शन कर कामकाज रोका

भारत संवाद

प्रयागराज, एक रेलवे अफसर के खिलाफ कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। आरोप है कि सहायक अभियंता ने अपने साथ काम करने वाले एक कर्मचारी से बदसलूकी कर गालियां दीं। ऑफिस से भगा दिया। इस मामले को लेकर रेलवे कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। रेलवे यूनियन से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर पैदल मार्च निकाला। अफसर के आफिस पहुंच हंगामा किया। रेलवे कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों ने हेड क्वार्टर के साथ ही प्रयागराज मंडल की शाखायों में जाकर विरोध किया। ओल्ड महाप्रबंधक कार्यालय में एईएन/टीएमसी-2 के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। करीब एक घंटे तक हंगामा हुआ। एईएन/टीएमसी-2 अपने चैंबर में उपस्थित नहीं थे। आक्रोशित कर्मचारियों ने मांग रखी है कि जब तक अधिकारी मांफी नहीं मांगेंगे विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। मंडल एसके सिंह, डीएस यादव, मो. सईद, एसपी यादव, आशीष कुमार, नगेंद्र बहादुर, बृजेन्द्र कुमार, राजू प्रसाद, ओपीएस कुशवाहा, अरविंद पांडे, जितेंद्र दिवेदी, बीके अवस्थी, मनोज कुमार, दीपक यादव, वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे। रेलवे ट्रैक मशीन में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत संजय चौधरी जिनका कार्यालय ओल्ड महाप्रबंधक कार्यालय बाल्मीकी चौराहे पर स्थित है। आरोप है कि वो अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से गली गलौज करते हैं।

कर्मचारी को आपने चैंबर में बुलाकर कहा कि आपकी ड्यूटी मेरे साथ थी आप मेरे से ऊपर के अधिकारी के साथ किससे कहने पर कार्य करने लगे।कर्मचारी ने बताया की मैंने अपने से ड्यूटी नहीं लगाई है। आरोप है कि इस पर संजय चौधरी ने मां बहन की गाली देने लगे।

फास्ट ट्रैक

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा धोखाधड़ी के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांक 24.08.2025 को वादी अश्वनी कुमार पुत्र रमाशंकर निवासी कोलाही थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वर्ष 2023 में धोखे से लोन पर लिया हुए कार मुझ वादी को बेचने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल मु0अ0सं0-285/2025 धारा 406,420,467,468,471 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना प्रभारी विन्ध्याचल को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 24.08.2025 को उप-निरीक्षक संजय सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से घटना उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त सुखनन्दन प्रसाद उर्फ संदीप पुत्र राजेन्द्र प्रसाद कुशवाहा निवासी बैदपुर थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्त रैकिंग के सापेक्ष मण्डलायुक्त ने विकास कार्यो की समीक्षा कर श्रेणी/रैकिंग में सुधार लाने का दिया निर्देश

- नई सड़को के निर्माण व फैमिली आइडी की अपेक्षित प्रगति न आने पर कार्य में तेजी लाते हुए कराएं पूर्ण –मण्डलायुक्त
- श्रम विभाग व स्वास्थ्य विभाग में खराब प्रगति पर अपर निदेशक स्वास्थ्य व उपायुक्त श्रम से स्पष्टीकरण मांग

भारत संवाद

मीरजापुर - मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा के पश्चात मण्डल अनुश्रवण पुस्तिका में विकास कार्यो में प्राप्त रैकिंग/श्रेणी के अनुसार मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी ने आयुक्त कार्यालय सभागार में तीनो जनपदों के मण्डलीय अधिकारियों के साथ बैठक कर बी0 व सी0 प्राप्त करने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए अगस्त माह की प्रगति में सुधार लाने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह, जिलाधिकारी मीरजापुर पवन कुमार गंगवार, सोनभद्र बी0एन0 सिंह, भदोही शैलश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा, भदोही अभिमन्यु मांगलिक, सोनभद्र अशोक मीणा, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, अपर आयुक्त प्रशासन डॉ विश्राम, मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र जागृति अवस्थी, भदोही बालगोविन्द शुक्ल सहित सभी मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहें।स्वास्थ्य विभाग व श्रम विभाग के विभिन्न योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न आने पर मण्डलायुक्त ने अपर निदेशक स्वास्थ्य व उपायुक्त श्रम से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए विभागीय योजनाओं में प्रगति लाते हुए श्रेणी में सुधार लाने का निर्देश दिया। मण्डल के विभिन्न योजनाओं में मण्डल को 54 योजनाओ में श्रेणी प्राप्त कर उपलब्धी प्राप्त हैं।जिन योजनाओं/मदो में ए श्रेणी प्राप्त की है उनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, सोलर स्ट्रीट लाइट बीकेएस ग्राम उन्नति योजना, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरिगेशन, खराब ट्रांसफार्मर की शिकायतें, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे ग्रामीण, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे शहरी, विद्युत बिल में सुधार हेतु आवेदन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम कुसुम, बीज डीबीटी, डे एन0आर0एल0एम0 बैंक क्रेडिट लिंकेज, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा, भवन निर्माण, एंबुलेंस 108, एंबुलेंस 102, बायो मेडिकल उपकरण रखरखाव कार्यक्रम, दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति, सहकारी दुग्ध समितियां, दिव्यांग पेंशन दिव्यांग पेंशन आधार सीडिंग, 15वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज 2, टेल फीडिंग खरीफ फसली ए श्रेणी प्राप्त हुआ है। मण्डलायुक्त ने नई सड़कों का निर्माण, फैमिली आईडी योजनामें तीनो जनपदो के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपेक्षित प्रगति लाते हुए रैकिंग में सुधार लाए।

17 गोली लगने के बाद भी हिल टाइगर युद्ध में दुश्मनों को धूल चटाई

10 मई 1980 में जन्मे सबसे युवा परमवीर चक्र विजेता कारगिल युद्ध के हीरो कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव टाइगर हिल पर 17 गोलियाँ खाने के बाद भी दुश्मनों को धूल चटाई, एक पत्रकार वार्ता में युद्ध के अनुभव साझा करते हुए युवाओं को किया प्रेरित

भारत संवाद

प्रयागराज - संगम नगरी प्रयागराज में रविवार को उस समय एक अविस्मरणीय और प्रेरणादायक पल देखने को मिला, जब कारगिल युद्ध के परम वीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव का भव्य स्वागत किया गया। आपको बता दें कि 10 मई 1980 को उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के अहीर गाँव औरंगाबाद जन्म हुआ, श्री योगेंद्र के पिता करन सिंह यादव की भी वर्ष 1965 और 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में अहम भूमिका थी। न्यायिक प्रशासन उत्तर प्रदेश में विशेष कार्याधिकारी नवनीत सिंह के निज निवास पर पावन कुम्भ नगरी प्रयागराज विशेष कार्यक्रम में शामिल होनें आए कैप्टन यादव ने अपने जीवन और युद्ध के उस भयावह अनुभव को साझा किया। जिसे सुनकर हर श्रोता की रूह कांप उठी। कैप्टन यादव ने अपनी जुबानी टाइगर हिल पर हुई उस खूनी लड़ाई का आँखों देखा हाल सुनाया। उन्होंने बताया कि कैसे 4 जुलाई 1999 की रात्रि में उनकी टीम को टाइगर हिल की दुर्गम और सीधी खड़ी चढ़ाई पर चढ़ने का आदेश मिला था। दुश्मन ऊपर से लगातार गोलीबारी कर रहे थे, जिससे उनकी टीम को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अपने साथियों को खोने और खुद 17 गोलियाँ लगने के बाद भी कैप्टन यादव ने हार नहीं मानी। उन्होंने बताया मेरे शरीर से खून बह रहा था। लेकिन दिल में सिर्फ एक ही जुनून था। अपने देश की रक्षा करना और दुश्मनों को खत्म करना।उनके शब्दों में मैंने 17 गोलियाँ खाईं लेकिन हर गोली मेरे अंदर एक नई ताकत भर रही थी। मेरे लिए उस समय दर्द से ज्यादा देश का सम्मान मायने रखता था। अपने संबोधन के दौरान कैप्टन योगेंद्र यादव ने युवाओं को देशभक्ति और त्याग का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के युवा देश का भविष्य हैं। और उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश सिर्फ सरहदों पर ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में तरक्की कर सकता है। जब हर नागरिक पूरी ईमानदारी से अपना काम करे। प्रयागराज के लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस महान योद्धा का सम्मान किया। उनके चेहरे पर गर्व सम्मान और कृतज्ञता का भाव साफ झलक रहा था।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) के वित्तीय सहयोग से हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की नवीन एम्बुलेंस सेवा का लोकार्पण

CSR से समर्पण तक – जनसेवा का आदर्श उदाहरण बने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) और हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट

भारत संवाद

लखनऊ, 25 अगस्त 2025 समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को सुलभ, सस्ती और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) के वित्तीय सहयोग से हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नवीन एम्बुलेंस सेवा का लोकार्पण माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री सुरेश कुमार खन्ना के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच नारियल फोड़कर तथा हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को विधिवत सेवा के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि माननीय श्री सुरेश कुमार खन्ना, श्री अजित कुमार सिन्हा, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) लखनऊ, डॉ. हर्ष वर्धन अग्रवाल, प्रबंध न्यासी, हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, ट्रस्ट की आंतरिक सलाहकार समिति के सदस्य, चिकित्सक, पैरामेडिक स्टाफ एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

माननीय श्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) और हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया यह प्रयास समाज के निर्धन और वंचित वर्गों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित यह एम्बुलेंस स्वास्थ्य सेवा को हर जरूरतमंद तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को मूर्त रूप देने का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

डॉ. हर्ष वर्धन अग्रवाल, प्रबंध न्यासी, हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, ने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह एम्बुलेंस सेवा विशेष रूप से बलरामपुर जिले के ग्रामीण और उपेक्षित इलाकों में कार्य करेगी। हमारा संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति केवल संसाधनों के अभाव में अपनी जान न गंवाए। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) के सहयोग से यह मिशन संभव हुआ है और भविष्य में भी हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट इसी प्रकार की और जनकल्याणकारी परियोजनाएँ समाज के लिए प्रारंभ करता रहेगा।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग से सम्बंधित आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण के गुणवत्ता की समीक्षा की

जिलाधिकारी ने अत्यधिक संख्या में खराब फीडबैक पाये जाने एवं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किए जाने पर 09 अधिशासी अभियंताओं को प्रतिकूल प्रविष्टि, एक अधिशासी अभियंता तथा नोडल अधिकारी से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को कैम्प कार्यालय में विद्युत विभाग से सम्बंधित आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए काफी संख्या में फीडबैक खराब पाये जाने एवं शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता खराब पाये जाने पर 09 अभियंताओं को प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने एवं एक अधिशासी अभियंता तथा नोडल अधिकारी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अधिशासी अभियंता खण्ड-2, अधिशासी अभियंता बमरौली, अधिशासी अभियंता फाफामऊ, अधिशासी अभियंता हण्डिया, अधिशासी अभियंता मेजा, अधिशासी अभियंता नैनी अधिशासी अभियंता टैगोर टाउन, अधिशासी अभियंता म्यौहाल एवं अधिशासी अभियंता खण्ड-1 के अत्यधिक संख्या में फीडबैक खराब पाये जाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने का निर्देश दिया है। अधिशासी अभियंता करैलाबाग तथा नोडल को कार्य में लापरवाही पाये जाने पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने बैठक में सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो और शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से बात की जाये तथा शिकायतकर्ता को निस्तारण से संतुष्ट किया जाये। इसमें लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा प्रतिदिन 10 शिकायतकताओं से, अपर जिलाधिकारियों के द्वारा 20 शिकायतकताओं से एवं उपजिलाधिकारियों के द्वारा 30 शिकायतकताओं से बात की जायेगी, यदि शिकायतकर्ता के द्वारा बताया गया कि सम्बंधित अधिकारी के द्वारा उनसे किसी भी प्रकार की बात नहीं की गयी, तो सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इस अवसर अपर जिलाधिकारी नगर श्री सत्यम मिश्र तथा विद्युत विभाग के अभियंतागण उपस्थित रहे।

रेलवे सुरक्षा बल/ सूबेदारगंज ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री का ट्रेन में छूटा मोबाइल वापस सौंपा

भारत संवाद

दिनांक 25.08.2025 को गाड़ी संख्या 14164 मेरठ सिटी-सूबेदारगंज, संगम एक्सप्रेस के कोच संख्या इ-2 में यात्रा के दौरान यात्री का एक मोबाइल ट्रेन में छूट गया । कोच अटेंडेंट, अमरेश कुमार को बर्थ संख्या 22 पर उक्त मोबाइल मिला । कोच अटेंडेंट ने उक्त मोबाइल को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट सूबेदारगंज पर जमा कर दिया । रेलवे सुरक्षा बल ने यात्री की पहचान कर उक्त मोबाइल के मालिक दीपक कुमार पुत्र राजवीर सिंह, निवासी अतरपुरा रेलवे रोड, हापुड़ (उत्तर प्रदेश) को सौंप दिया । यात्री दीपक कुमार ने बताया कि संगम एक्सप्रेस से हापुड़ से सूबेदारगंज तक की यात्रा के दौरान मोबाइल ट्रेन में छूट गया था । यात्री दीपक कुमार ने रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सूबेदारगंज पहुँचकर यात्रा से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए एवं मोबाइल की पहचान की । सत्यापन के उपरांत सहायक उप निरीक्षक, राजेश यादव द्वारा ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत उक्त मोबाइल यात्री को वापस कर दिया गया ।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत नाबालिग बालक को चाइल्ड लाइन को सुरक्षित सुपुर्द

भारत संवाद

रेल यात्रियों एवं उनके परिवारजनों की सुरक्षा के साथ-साथ समाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए, रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत दिनांक 24.08.2025 को एक नाबालिग बालक को सुरक्षित रूप से चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया गया। प्लेटफार्म संख्या 1 से 6, दिल्ली एंड पर ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल मक्खन लाल एवं महिला कांस्टेबल निशा यादव द्वारा पैदल पुल संख्या 4 पर एक नाबालिग बालक को संदेहास्पद स्थिति में देखे जाने पर पूछताछ हेतु आरपीएफ पोस्ट प्रयागराज लाया गया। पूछताछ में उक्त बालक की पहचान देवा पुत्र राकेश कुमार, उम्र 12 वर्ष, निवासी ग्राम बसेला, थाना रार, जिला हमीरपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत उपनिरीक्षक संजय कुमार तिवारी द्वारा उक्त बालक को चाइल्ड लाइन प्रयागराज की टीम – सुपरवाइजर ज्योति शुक्ला एवं केस वर्कर ज्योति सिंह – को महिला कांस्टेबल सोनम यादव की उपस्थिति में सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज मंडल यात्रियों एवं विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराने हेतु संकल्पित है।

जयंती

धर्म, न्याय और सृष्टि-संतुलन का दिव्य प्रतीक वराह अवतार

भगवान श्री वराह जयंती पर परमार्थ निकेतन से देशवासियों को मंगलकामनायें

भारत संवाद

सत्य, शक्ति और बुद्धि का समन्वय ही सृष्टि के संरक्षण में सक्षमः स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आज भगवान श्री वराह, श्री हरि विष्णु का तृतीय अवतार की धूमधाम से जयंती मनायी। परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमारों ने विशेष पूजन-अर्चन व यज्ञ कर भगवान वराह अवतार की आराधना की।

श्री हरि विष्णु जी ने इस अवतार में पृथ्वी माता को समुद्र मंथन और असुरों के अत्याचार से बचाने के लिए वराह का रूप धारण किया। यह अवतार धर्म और न्याय की रक्षा का प्रतीक है साथ ही सृष्टि-संतुलन और जीवन में संतुलन स्थापित करने का संदेश भी देता है।

शास्त्रों के अनुसार, जब पृथ्वी माता असुरों के अत्याचार और अधर्म के कारण कराह रही थी तब भगवान विष्णु ने वराह रूप धारण कर उन्हें समुद्र से उठाया और सृष्टि को स्थिर किया। संकट और अधर्म के समय सच्चे धर्म और साहस के द्वारा ही परिस्थितियों को सुधारा जा सकता है। वराह अवतार यह संदेश देते हैं कि धर्म, न्याय और नैतिकता की रक्षा प्रत्येक व्यक्ति का धर्म है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने संदेश में कहा कि वराह अवतार में भगवान विष्णु जी का शरीर ऊँचा और भारी, जबकि सिर मानवीय और शरीर वराह के रूप में है। यह प्रतीक है कि सत्य, शक्ति और बुद्धि का समन्वय ही सृष्टि के संरक्षण में सक्षम है। ऊँचा और भारी शरीर शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, जो संकटों और असुरों के अत्याचार का सामना कर सृष्टि को स्थिर कर सके। मानवीय सिर बुद्धि और विवेक का प्रतीक है, जो निर्णय और न्याय का मार्ग दिखाता है। इस अवतार से हमें यह शिक्षा मिलती है कि शक्ति बिना विवेक और विवेक बिना शक्ति असफल है।

जीवन में संकट के समय साहस, न्याय और संतुलन की आवश्यकता होती है। वराह अवतार हमें प्रेरित करता है कि हम न केवल अपने लिए, बल्कि समाज और सृष्टि के लिए भी सही निर्णय लें। जैसे भगवान ने पृथ्वी माता को समुद्र से बचाया, वैसे ही हम भी अपनी जिम्मेदारियों को समझे और सृष्टि व समाज की रक्षा के लिये आगे आये।

वराह अवतार हमें यह याद दिलाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ हों, धर्म और नैतिकता का मार्ग कभी नहीं छोड़ना चाहिये। हमारे विचार, वचन और कर्म इसी मार्ग के अनुसार होने चाहिए।

हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह समाज और पर्यावरण के संतुलन के लिए योगदान दे। अपने कर्मों के माध्यम से हम न केवल अपने जीवन को सुधार सकते हैं, बल्कि पूरे समाज को समृद्ध और संतुलित बना सकते हैं। जीवन में कठिनाइयाँ आएँगी, लेकिन सही मार्गदर्शन और श्रेष्ठ कर्मों के द्वारा हम हर चुनौती को पार कर सकते हैं।

भगवान श्री वराह जयंती जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सत्य, न्याय, धर्म और सृष्टि-संतुलन को स्मरण करने वाला अवसर है। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में साहस, नैतिकता और संतुलन का मार्ग अपनाएँ, समाज और प्रकृति के उत्थान में योगदान दें, और सकारात्मक परिवर्तन लाएँ। इस पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ! प्रभु श्री वराह की कृपा से हम सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और संतुलन हमेशा बना रहे।

प्रदेश का निवेश मित्र पोर्टल उद्योग एवं व्यवसाय में सुगमता ला रहा है

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समग्र सुधारों, डिजिटलीकरण एवं निवेशकों के अनुकूल नीतियों के माध्यम से व्यवसायों एवं निवेशों को सुगम बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2022 में ईज ऑफ डूइंग बिजनेसश में टॉप अचीवरश तथा वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 में लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में श्अचीवर्सश के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। साथ ही राज्य को वर्ष 2021 के गुड गवर्नेंस इंडेक्स में प्रथम स्थान एवं एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है, जिससे उत्तर प्रदेश भारत के सबसे सुरक्षित एवं निवेशक अनुकूल गतव्यों में से एक के रूप में स्थापित हुआ है। उत्तर प्रदेश का समर्पित ऑनलाइन पोर्टल श्निवेश मित्रश सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, 45 विभागों की सेवाओं को एकीकृत करता है, जो अनुमोदन, लाइसेंस एवं अनापत्ति प्रमाणपत्र हेतु 525 से अधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह पोर्टल आवेदन प्रस्तुत करने एवं ट्रैकिंग की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, जिससे विलम्ब एवं प्रशासनिक समस्याओं का न्यूनीकरण सुनिश्चित होता है। गत वर्ष में चिकित्सीय प्रतिष्ठान, कृषि, उद्यान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम फिल्म एवं मनोरंजन, आबकारी, फार्मास्यूटिकल तथा भू-विज्ञान एवं खनन जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित अनुमोदन सेवाए भी निवेश मित्र पोर्टल में एकीकृत की गई है। निवेश मित्र पार्टल देश के उन अग्रणी पोर्टल्स में से एक है. जिन्हें नेशनल सिंगल विण्डो सिस्टम में एकीकृत किया गया है। निवेश मित्र में निरंतर अन्य सेवाएं भी जोड़ी जा रही है तथा सभी प्रकार की स्वीकृतियों/ अनापत्तियों को एक ही स्थान पर (वन-स्टॉप सॉल्यूशन) उपलब्ध कराने हेतु कार्य किया जा रहा है। उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत लाइसेंसिंग आवेदनों के 97 प्रतिशत से अधिक का निस्तारण किए जाने के साथ, निवेश मित्र पोर्टल वर्तमान में देश के सबसे कुशल सिंगल विंडो पोर्टलों में से एक बन गया है। व्यवसाय में सुगमता (ईज ऑफ डूईगं बिजनेस) प्रदेश में मिनिमम गवर्नेंस, मैक्सिमम गवर्नेंस के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए निवेश मित्र पार्टल में व्यापक प्रशासनिक सुधार लागू किए गए है, जिनका उद्देश्य एक पारदर्शी, कुशल एव प्रभावी ऑनलाइन अनुमोदन प्रणाली की स्थापना है। समस्त आवेदन अनिवार्य रूप से केवल निवेश मित्र के माध्यम से स्वीकार किए जाते हैं. भौतिक रूप से या विभाग के स्तर पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जाते हैं। संबधित विभागों द्वारा प्राप्त किए गए आवेदनों एवं समस्त स्वीकृतियों से संबधित पृच्छाएं आवेदन प्राप्त होने के बाद केवल 07 दिनों के भीतर एक बार की जा सकती है। अब तक निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से 19 लाख से अधिक अनुमोदन डिजिटल रूप से निर्गत किए जा चुके हैं। पोर्टल पर उपलब्ध उपयोगकर्ता फीडबैंक प्रणाली के अनुसार, 96 प्रतिशत उपयोगकर्ता निवेश मित्र से संतुष्ट है।

जफरपुर महावां में राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर इस्लामिक झंडा, तनाव बढ़ा

भारत संवाद

कौशाम्बी, 25 अगस्त 2025: उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के जफरपुर महावां गाँव में राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर इस्लामिक झंडा लगाने का मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान नासिर उर्फ नस्सन, पुत्र मोहम्मद, पर यह गंभीर आरोप गाँव के निवासी सोनेलाल सेन, पुत्र गरीब दास, ने लगाया है। सोनेलाल ने पश्चिम शरीरा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज के अपमान और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की बात कही गई है। इस घटना का एक जीपीएस-टैग्ड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो मामले की गंभीरता को दशार्ता है। जफरपुर महावां गाँव पूर्व में भी तनावग्रस्त रहा है, और यह घटना सामाजिक अशांति को और बढ़ा सकती है। सोनेलाल ने थानाध्यक्ष से प्रार्थना पत्र में माँग की है कि ग्राम प्रधान के खिलाफ भारतीय ध्वज संहिता और राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत कार्रवाई हो, वायरल फोटो की जाँच की जाए और गाँव में शांति सुनिश्चित की जाए।पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है और अतिरिक्त बल तैनात किया है। वायरल फोटो की प्रामाणिकता की जाँच चल रही है। स्थानीय निवासियों में रोष है, और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की माँग की जा रही है ताकि गाँव में सामाजिक सौहार्द बना रहे।

डीएम ने सीएचसी जवां का निरीक्षण कर मरीजों से जाना हाल, स्वास्थ्य सेवाओं पर जताई संतुष्टि

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर का डीएम ने किया शुभारंभ, मरीजों से संवाद कर सुनी समस्याएं

ग्रामीण अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता

आकाश शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवां का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता एवं चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रसूता एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और टीकाकरण का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पहुँचाया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों से संवाद कर उपचार एवं दवा वितरण संबंधी जानकारी ली और संतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। एमओआईसी डा0 अंकित सिंह ने बताया कि खाली भूमि पर मियाबाकी पद्धति से वृक्षारोपण के लिए वन विभाग से बात की गई है। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। इस दौरान डॉ. सिदरा अंसारी (गाइनोकोलॉजिस्ट) एएनसी केंद्र पर मौजूद रहीं। स्टाफ नर्स मीनू ने अवगत कराया कि प्रातः से 11 गर्भवती महिलाओं की रक्त, बीपी, शुगर एवं अन्य स्वास्थ्य जांच की गई है। नर्सिंग ऑफिसर मानसी ने बताया कि प्रसव कक्ष में 11 महिलाएं प्रसव के उपरांत भर्ती हैं, जबकि 13 गर्भवती एएनसी महिलाएं भर्ती पाई गईं। एसटीएस मृदुल कुमार ने जानकारी दी कि सीएचसी पर 395 टीबी मरीजों को नियमित दवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिलाधिकारी ने बीपीएम यूनिट पर जाकर जेएसवाई से संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण किया और उन्हें व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। ड्रग इंचार्ज ए.एच. सिद्दीकी ने बताया कि औषधि भंडार गृह में सभी प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं।

फास्ट ट्रैक

देहदान कर्त्तव्य संस्था ने नेत्र विभाग मेडिकल कॉलेज नेत्र/देह दान के प्रति किया जागरूक

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ। देह दान कर्त्तव्य संस्था ने जे एन मैडिकल कॉलेज नेत्र विभाग के सहयोग से ₹नेत्रदान पखवाड़े ₹के पहले दिन मदर टेरेसा दिवयांगआश्रम जमालपुर पर सदस्यों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलता पूर्वक नेत्र परीक्षण कर निशुल्क औषधि वितरण किया। डॉ मुहम्मद शाकिब ने कहा कि नेत्रदान से दो लोगों की जिंदगी रोशन होती है। उन्होंने सहयोगी शब्द बोल अपना मोबाइल नम्बर देते हुए कहा कि यहाँ किसी भी सदस्य को आँखों की बीमारी हेतु पूर्ण सहयोगी हैं। देहदान कर्तव्य संस्था के अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ ने कहा कि संस्था व नेत्र विभाग टीम के अथक प्रयासों से मानवीय कार्य सफल रहा। डॉ गौड़ ने कहा नेत्रदान से दो लोगों की जिंदगी रोशन होती है। साथ ही दानी व्यक्ति भी जीवित बना रहता है।शरीर दान से मैडिकल विद्यार्थियों को शिक्षित होने में विशेष सहायता मिलती है। ईश्वरी पार्थिव शरीर को उसी के बन्दों को ही तो दान कर रहे हैं।इस अवसर पर डॉ डी के वर्मा, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, डॉ कौशीन, डा जुनैद, डा मरियम, डा अभिषेक, डा श्री लिखता, रजत सक्सैना, दीपक, अजय राणा, धीरेन्द्र गुप्ता जोया, आनम, मैहजबी, आमना, अनम फातिमा, नफीस आदि सहयोगी बने।

कोल राजवाह पर चला बुलडोजर, अतिक्रमणकारियों में मची खलबली

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): कोल राजवाह की सरकारी भूमि पर वर्षों से कब्जा जमाए बैठे अतिक्रमणकारियों पर सोमवार को प्रशासन ने सख्ती दिखाई। महेशपुर फाटक से लेकर कमिश्नरी तक चिन्हित अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त कराने के लिए सिंचाई विभाग की टीम प्रशासनिक एवं पुलिस बल के साथ दोपहर करीब 12 बजे मौके पर पहुँची। बुलडोजर देखते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन अधिकारियों ने समझा-बुझाकर माहौल को शांत कराया। अधिशासी अभियंता सिंचाई, राजेन्द्र कुमार ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इसी क्रम में 24 व 25 जुलाई को महेशपुर फाटक से कमिश्नरी तक राजवाह पर अतिक्रमण करने वालों को नोटिस जारी कर कब्जा हटाने की चेतावनी दी गई थी। नोटिस के बावजूद कब्जा न हटाने पर प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। कार्रवाई के दौरान अचानक हुई बारिश ने काम की रफ्तार थोड़ी धीमी की, लेकिन टीम ने देर शाम तक बुलडोजर की मदद से सभी चिन्हित अतिक्रमणों को ध्वस्त करा दिया। मौके पर सहायक अभियंता सिंचाई अतुल कुमार गुप्ता, जेई यतेन्द्र प्रताप व अवधेश कुमार, उपराजस्व अधिकारी अवधेश कुमार, हरेश्वर शर्मा, नाहर सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मेला गुघाल के तीन करोड़ 53 लाख आय के बजट को बोर्ड की झंडी

व्यय बजट में साढे.चार लाख की और बढ़ोत्तरी

भारत संवाद

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में आज जनमंच सभागार में नगर निगम बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मेला महाड़ी व मेला गुघाल का 03 करोड़ 53 लाख 38 हजार रुपये की अनुमानित आय तथा एक करोड़ 28 लाख 93 हजार पांच सौ रुपये का अनुमानित व्यय का बजट सर्व सम्मति से पारित किया गया। लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी ने बजट प्रस्तुत किया। कार्यसमिति में पारित किये गए अनुमानित व्यय एक करोड़ 24 लाख 43 हजार पांच सौ रुपये में साढे.चार लाख रुपये की और वृद्धि की गयी। यह वृद्धि मेले में सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था एवं विभिन्न स्थानों पर लगाये जाने वाली बड़ी एलईडी के लिए की गयी है। कार्यकारणी में पारित बजट में सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरों के लिए साढे.चार लाख रुपये की व्यवस्था की गयी थी जिसे बढ़ाकर नौ लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 30 लाख रुपये, निर्माण कार्य, शौचालय, बैरिकेटिंग व पेचिंग आदि के लिए पांच लाख रुपये, मेला गुघाल में सांस्कृतिक पंडाल व मेला महाड़ी पर समस्त प्रकाश व्यवस्था के लिए आठ लाख रुपये तथा मेला स्वच्छता के लिए 18 लाख रुपये की व्यवस्था रखी गयी है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 के लिए गृहकर-जलकर के बिलों में वर्तमान मांग पर 30 सितंबर 2025 तक ऑनलाइन व ऑफ लाइन टैक्स जमा कराने पर महापौर द्वारा पूर्व में की गयी 15 प्रतिशत की छूट पर भी सदन द्वारा सर्व सम्मति से मुहर लगायी गयी। विधायकों एवं पार्षदों द्वारा वार्डो में सफाई कर्मियों की उपस्थिति को लेकर उठाये गए सवाल पर महापौर डॉ. अजय कुमार ने स्वास्थ्य विभाग को सभी सफाई कर्मियों की मोबाइल ऐप पर डियूटी के आने व जाने के समय की लोकेशन के साथ बायोमैट्रिक उपस्थिति लगाने की व्यवस्था एक सप्ताह में कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिक्रमण प्रभारी को एक सप्ताह के भीतर सेण्ट मेरी, आशा मॉडर्न व सोफिया स्कूल के आस पास पूरा अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए ताकि स्कूलों के छात्र-छात्राओं को आने जाने में कोई कठिनाई न हो।सभी पार्षदों ने महापौर को अधिकारिक रुप से मेला चेयरमैन और तीन वाइस चेयरमैन चुनने का अधिकार भी सर्व सम्मति से दिया। कुछ पार्षदों ने गोगा जी महाराज और उनकी माता बाछल को केंद्रित कर सांस्कृति कार्यक्रमों की श्रृंखला में उसे भी शामिल करने तथा मेले का गेट भव्य बनाने का सुझाव दिया। महापौर ने कहा कि जो भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाए, वें गरिमापूर्ण हों और ऐसे हों कि जिन्हें लोग परिवार के साथ देख सकें।लगभग तीन घंटे चली मैराथन चर्चा के बीच नगर विधायक राजीव गुंबर व रामपुर मनिहारान देवेंद्र निम सहित दर्जनों पार्षदों ने हाउस टैक्स, वाटर टैक्स, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, सड़क निर्माण, जीर्ण-शीर्ण श्मशानों के सुधार, सफाई कर्मियों की वार्डो में उपस्थिति, मेला अवधि तक मंगल बाजार जुबली पार्क में स्थानांतरित करने, घुन्ना महेश्वरी में खरीदी गयी जमीन का भूमि नामांतरण तथा जीआइएस सर्वे के बिल दो साल के स्थान पर एक साल का लेने, गोगा महाड़ी स्थल पर सभी 70 पार्षदों के नाम का बोर्ड लगवाने आदि विषयों सहित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये।

अधीनस्थ कृषि सेवा से जुड़े कर्मचारियों ने एक दिवसीय धरना दिया

मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

भारत संवाद

सहारनपुर। अधीनस्थ कृषि सेवा जनपद सहारनपुर के द्वारा प्रांतीय आवाहन पर रामलीला मैदान हकीकत नगर चैराहे पर एक दिवसीय धरना मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को जिलाधिकारी सहारनपुर के द्वारा प्रेषित किया गया जिसमें कृषि विभाग के समस्त प्राविधिक सहायक को डिजिटल क्रॉप सर्वे वह खसरा पड़ताल जो पूर्व में लेखपालों का मूल कार्य था अब लेखपालों के स्थान पर प्राविधिक सहायक पंचायत सहायक रोजगार सेवक के साथ लगाया गया है अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के जिला अध्यक्ष श्री रविंद्र चैहान द्वारा अवगत कराया गया कि जब तक लेखपाल इस कार्य में हमारे साथ कार्य नहीं करेंगे तब तक कड़ा विरोध जारी रखा जाएगा तब तक यह कार्य प्राइवेट एजेंसी के माध्यम से करा सकते है आज पूरे प्रदेश के जनपद मुख्यालय पर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के प्रांतीय संगठन द्वारा 28 अगस्त को लखनऊ में एक दिवसीय धरने का कार्यक्रम है। राज्य कर्मचारी संघ परिषद के मंडल अध्यक्ष एवं जिला मंत्री द्वारा अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जनपद सहारनपुर को पूर्ण समर्थन की घोषणा की है साथी राष्ट्रीय पुरानी पेंशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बीपी राव द्वारा भी पूर्ण समर्थन की घोषणा की है इस अवसर पर श्री परमेश कुमार नौरत सिंह विजेंद्र कुमार मनोज कुमार मसरूर आलम रामकुमार महक सिंह पवार मुकेश कुमार दिलीप कुमार जबर सिंह टीटू नीतू नेहा चैरसिया नवीन कुमार विकास कुमार अमित कुमार आदि 120 कर्मचारियो ने अपना विरोध प्रदर्शित किया।

पांच वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना गंगोह पुलिस ने पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक थाना गंगोह के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आज वारंटी भूरा उर्फ आबिद पुत्र लियाकत नि0 ग्राम शाहपुर थाना गंगोह जिला सहारनपुर, भोपाल सिंह पुत्र हुक्म सिंह नि0 ग्राम खालिदपुर थाना गंगोह जिला सहारनपुर, बिल्लू पुत्र अरशद नि0 ग्राम बुड्ढाखेड़ा थाना गंगोह जिला सहारनपुर, दिल्लू पुत्र मकसूद उर्फ कौसर नि0 ग्राम बुड्ढाखेड़ा थाना गंगोह जिला सहारनपुर, दानिश पुत्र मुस्तफा नि0 मौ0 गुलाम औलिया कस्बा व थाना गंगोह जिला सहारनपुर को उनके मसकनो से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में एसआई देवेश कुमार, विरेन्द्र कुमार, केरन सिंह, मुख्य आरक्षी रविश राणा, चंद्रपाल, भगत, आरक्षी नितिन कुमार, रक्षित चाहल शामिल रहे।

विश्व हिंदू परिषद ने मनाया 61वां स्थापना दिवस

भारत संवाद

सहारनपुर। विश्व हिंदू परिषद द्वारा श्री हरि मंदिर, आवास विकास कॉलोनी पर आयोजित 61वें में स्थापना दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मेरठ प्रांत संगठन मंत्री अरुण ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को जन्माष्टमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सर संघसंचालक माधव सदाशिव गोलवरकर के निर्देशन में स्वामी चिन्मयानंद, एम एस आप्टे, मास्टर तारा सिंह आदि द्वारा मुंबई के संदीपनी आश्रम मुंबई में विश्व के समस्त हिंदुओं को जागृत कर संगठित करना,समेकित करना, हिंदुओं की सेवा और सुरक्षा करने के उद्देश्य से की गई। स्थापना के दिन से आज अपने स्थापना के 61वें स्थापना दिवस तक संगठन अपने उद्देश्य के लिए निरंतर प्रयत्नशील और संघर्षरत है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कराना, रामसेतु को न तोड़ने देना, अमरनाथ यात्रा नियमित जारी रखवाना आदि इसके विशेष कार्य रहे हैं। वर्तमान समय में भी अनेक भारत विरोधी एवं हिंदू विरोधी शक्तियां विदेश और देश में सक्रिय है और षड्यंत्र रच रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद बजरंग, दल एवं दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता उनका सामना करने के लिए संघर्षरत हैं।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे स्वामित्व वाली विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव, दिन एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन के दिन	विस्तारित तिथि
04125*	सूबेदारगंज-बांद्रा (ट.)	सोमवार	06.10.25 से 29.12.25
04126	बांद्रा (ट.)-सूबेदारगंज	मंगलवार	07.10.25 से 30.12.25
04155	सूबेदारगंज-उधना	सोमवार	06.10.25 से 29.12.25
04156	उधना-सूबेदारगंज	मंगलवार	07.10.25 से 30.12.25

*उत्तर मध्य रेलवे पर गाड़ी संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा (ट.) सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) के समय में संशोधन:-

स्टेशन	गाड़ी संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा (ट.)	
	आगमन	प्रस्थान
सूबेदारगंज	(सोमवार)	05:20
फतेहपुर	06:35	06:37
गोविंदपुरी	07:50	07:55
इटावा	09:43	09:45
टूण्डला	11:30	11:35
ईदगाह	12:15	12:20
फतेहपुर सीकरी	12:58	13:00
रूपबास	13:14	13:16
बयाना	14:43	14:45

नोटः- बयाना-बांद्रा (ट.) के बीच समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1523/25(D)

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. PRYJ/Br/L/2025-26/03 दिनांक- 19.08.2025

निविदा सूचना

उप मुख्य इन्जी./ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे,प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **16.09.2025** को **14.30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.1. निविदा नं.: 2025-03 **कार्यों का विवरण:** प्रयागराज मण्डल के अथसराय, सतनरैनी, फैजुल्लापुर, मनोहर गंज, बिदनपुर, कटोघन, रेलवे स्टेशनों पर (3.10मी. चौड़े) नये फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान और विन्ध्याचल स्टेशन पर स्थित पुराने (3.10मी. चौड़े) फुट ओवर ब्रिज को प्लेट फार्म सं. 2/3 से डी.एफ.सी.सी.आई.एल. से जोड़ने का कार्य।

अनुमानित मूल्यः ₹ 21,85,13,109.71 | **बयाने की राशिः ₹ 12,42,600/-**

क्र.सं.2. निविदा नं.: 2025-04 **कार्यों का विवरण:** प्रयागराज मण्डल के परजनी, घसरा हॉल्ट, और पतरा रेलवे स्टेशनों पर (3.10मी. चौड़े) नये फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान।

अनुमानित मूल्यः ₹ 10,24,95,816.33 | **बयाने की राशिः ₹ 6,62,500/-**

क्र.सं.3. निविदा नं.: 2025-05 **कार्यों का विवरण:** प्रयागराज मण्डल के रोशनमऊ हॉल्ट, इकदिल, अम्बियापुर, बलरई और सरॉय भूपत रेलवे स्टेशनों पर (3.10मी. चौड़े) नये फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान।

अनुमानित मूल्यः ₹ 18,69,83,902.10 | **बयाने की राशिः ₹ 10,84,900/-**

उपरोक्त सभी निविदाओं हेतु कार्य समापन की अवधिः 18 माह एवं **निविदा खुलने की तिथिः 16.09.2025** तथा **सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः** फैब्रिकेशन एण्ड इरेक्शन / लांचिग आफ स्टील ब्रिजेज/एफ.ओ.बी। **नोटः 1.** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **14.30** बजे तक निविदा खुलने की तिथि दिनांक **16.09.2025** तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको **I.T. Act 2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। **5.** बयाने की राशि केवल नेट बैंकिग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। **6.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **7.** आन लाइन निविदा दिनांक **16.09.2025** को **14.30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **8.** माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। **9.** निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी।

1516/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कानपुर-बेंगलुरू त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा** के अवसर पर त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 04131/04132 कानपुर सेन्ट्रल-सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरू-कानपुर सेन्ट्रल (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

04131 कानपुर सेन्ट्रल-सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरू			04132 सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरू-कानपुर सेन्ट्रल	
आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	आगमन	प्रस्थान
(रविवार)	16:30	कानुपर सेन्ट्रल	03:45	(शुक्रवार)
17:38	17:40	फतेहपुर	(शुक्र.)01:05	01:07
20:20	20:30	प्रयागराज जं.	23:10	23:20
21:43	21:45	शंकरगढ़	22:08	22:10
23:03	23:05	डभौरा	21:40	21:42
23:53	23:55	मानिकपुर जं.	21:20	21:22
(सोम.)00:50	00:55	सतना	19:50	19:55
02:30	02:40	कटनी	17:20	17:30
04:10	04:15	मदनमहल	16:00	16:05
08:10	08:20	इटारसी	12:35	12:40
15:50	15:55	नागपुर जं.	07:30	07:35
19:55	20:00	बल्हारशाह	03:55	04:00
20:50	20:52	सिरपुर कागज नगर	02:35	02:37
21:20	21:22	बेल्लमपल्ली	02:05	02:07
21:35	21:37	मंचिर्याल	01:50	01:52
23:35	23:40	वरंगल	(गुरू.)00:05	00:07
(मंगल.)00:45	00:47	खम्मम	22:38	22:40
03:35	03:45	विजयवाड़ा जं.	21:10	21:20
04:45	04:47	चीराला	19:05	19:07
05:18	05:20	ओंगोल	18:23	18:25
06:35	06:37	नेल्लूर	16:38	16:40
09:20	09:30	रेणिगुंटा जं.	14:35	14:45
12:00	12:10	काटपाडी जं.	12:15	12:25
13:40	13:45	जोलारपेट्टै जं.	11:00	11:05
14:43	14:45	बंगारपेट जं.	07:53	07:55
16:23	16:25	कृष्णराजपुरम	07:23	07:25
18:30	(मंगलवार)	सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरू	(बुधवार)	07:10

● **कानपुर सेन्ट्रल से** गाड़ी संख्या 04131 **दिनांकः** 14.09.2025 से 09.11.2025 (प्रत्येक रविवार) ● **सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरू से** गाड़ी संख्या 04132, **दिनांकः** 17.09.2025 से 12.11.2025 (प्रत्येक बुधवार)

गाड़ी संरचना : स्लीपर श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, सामान्य श्रेणी-08,

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile Aap या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करे।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1521/25(MG)

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939

(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

पैसो से खुशियां नहीं खरीदी जा सकती! स्टडी में सामने आई सच्चाई

पैसा जरूरी है लेकिन क्या वह जीवन भर खुश रहने के लिए काफी है? क्या सारे अमीर लोग अपने जीवन में बहुत खुश हैं? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जो खुशी और पैसे के बीच के संबंध को बयां करते हैं। साथ ही यह भी दर्शाते हैं, कि पैसा सबसे ताकतवर होने के बावजूद किसी के लिए खुशी नहीं खरीद सकता।

यह सदियों पुराना सवाल क्या पैसा खुशी खरीद सकता है? आज भी लोगों को सोचने और बहस करने पर मजबूर कर रहा है। लोग जब जीवन में वित्तीय सफलता के लिए प्रयास करते हैं, तो खुशी की खोज को अक्सर भौतिक धन के रूप में आंका जाता है। इसलिए, पैसे और खुशी के बीच के जटिल संबंध की खोज करके, कोई भी यह समझने की कोशिश कर सकता है कि वास्तव में हमारे जीवन को क्या परिपूर्ण और संतुष्ट बनाता है।

स्टडी- पैसे और खुशी का संबंध

शोधकर्ताओं डैनियल काहनेमन और मैथ्यू किलिंग्सवर्थ द्वारा हाल ही में किए गए एक संयुक्त अध्ययन ने आम धारणा को चुनौती दी है कि आय की एक निश्चित सीमा तक पहुंचने के बाद खुशियां ही खुशियां होती है। एक स्मार्टफोन ऐप का उपयोग करते हुए, दोनों ने 33,000 से अधिक प्रतिभागियों से डेटा एकत्र किया, जो दर्शाता है कि बढ़ती आय के साथ खुशी में वृद्धि होती है। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला गया कि कम आय वाले व्यक्ति उच्च आय वालों की तुलना में बढ़ी हुई आय से खुशी में अधिक लाभ का अनुभव करते हैं।

ये निकला निष्कर्ष

शोधकर्ताओं ने पाया कि अधिक धन वाले व्यक्तियों में अधिक सकारात्मक आत्म-धारणा होती है। भावनात्मक कल्याण भी आय के साथ बढ़ता है, लेकिन केवल 75,000 डॉलर के वार्षिक वेतन तक (आज के लिए समायोजित 90,000 डॉलर, जो लगभग 74 लाख रुपये है) इस बिंदु के अलावा, उच्च वेतन खुशी सूचकांक में महत्वपूर्ण रूप से योगदान नहीं करते हैं, जो पैसे और कल्याण के बीच संबंधों की सीमा का संकेत देता है। हालांकि, इन निष्कर्षों में विरोधाभास हैं। किलिंग्सवर्थ के 2023 के अध्ययन ने 500,000 डॉलर की आय तक की खुशी पर पैसे के सकारात्मक प्रभाव का सुझाव दिया जो लगभग 4 करोड़ होता है।

खुश रहने के लिए पैसा काफी नहीं

हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट द्वारा जोर दिया गया है, कि खुशी प्राप्त करने में संबंधों की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक अच्छे जीवन के लिए संबंधों को आवश्यक माना जाता है, धन केवल एक सीमा तक ही आपको खुशियां दे पाती है। कुछ व्यक्ति अपने सामाजिक संबंधों और खुशी को बढ़ाने के लिए महंगी ट्रिप, म्यूजिक नाइट गेदरिंग जैसी एक्टिविटीज को भी प्राथमिकता देते हैं।

खुशी मन की अवस्था है

केवल पर्याप्त आय अर्जित करने से खुशी की गारंटी नहीं मिलती है। प्रसिद्ध अमेरिकी ईसाई प्रचारक बिली ग्राहम ने एक बार कहा था, जब धन खो जाता है, तो कुछ भी नहीं खोता है; जब स्वास्थ्य खोता है, तो कुछ थोड़ा सा नुकसान होता है; लेकिन जब व्यक्ति का चरित्र खो जाता है, तो उसका सब खो जाता है। इसलिए, जीवन में खुश रहने के लिए चरित्र और वित्तीय सफलता का साथ-साथ रहना बहुत जरूरी है।

आज के समय में अधिकतर लोग टेरेस गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। यकीनन यह काफी अच्छा लगता है। हालांकि, टेरेस गार्डनिंग के कुछ नुकसान भी होते हैं। जानिए इसके बारे में।

आसान नहीं है टेरेस गार्डनिंग

होम डेकोर में इन दिनों प्लांटिंग का चलन काफी बढ़ता जा रहा है। यह आपके घर को और भी ज्यादा खूबसूरत बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, ऐसे भी कई लोग होते हैं, जो सिर्फ एक या दो प्लांट्स ही अपने घर में नहीं लगाना चाहते हैं या फिर उनके घर में इतना स्पेस ही नहीं होता है कि वे प्लांटिंग कर सकें। ऐसे में अक्सर लोग टेरेस गार्डनिंग का रास्ता चुनते हैं। टेरेस गार्डन पर अक्सर लोग कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यकीनन टेरेस गार्डनिंग करना अच्छा विचार है। इससे आपको कई तरह के फायदे मिलते हैं। लेकिन टेरेस गार्डनिंग करना इतना आसान भी नहीं है। टेरेस गार्डनिंग करते हुए आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है या फिर इससे आपको कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं।

वाटर लीकेज की समस्या

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग टेरेस गार्डन बनाते हैं तो उन्हें कुछ वक्त बाद ही अपने घर में वाटर लीकेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। खासतौर से, टेरेस गार्डन का सही तरह से इंस्टॉलेशन ना किया जाए या फिर उसकी मेंटेनेंस को अनदेखा किया जाए, तो इससे पूरी बिल्डिंग में वाटर लीकेज शुरू हो जाती है। इससे आपकी पूरी बिल्डिंग को ही काफी नुकसान होता है।

मेंटेनेंस की जरूरत

यूं तो हर पौधे को केयर की जरूरत होती है, लेकिन जब आप टेरेस गार्डन बनवाते हैं तो आपको अतिरिक्त केयर करनी चाहिए। अक्सर लोग इस पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसके चलते प्लांट्स कम समय में ही सूख जाते हैं या फिर उनकी वह ग्रोथ नहीं हो पाती है। इसलिए, अगर आप टेरेस गार्डन बनवा रहे हैं तो आपको यह समझ लेना चाहिए कि गार्डन की मेंटेनेंस के लिए आपको कुछ वक्त निकालना होगा।

वजन की समस्या

टेरेस गार्डन के दौरान हम मिट्टी से लेकर पौधों तक का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण टेरेस पर वजन बढ़ जाता है। कभी-कभी बिल्डिंग यह लोड नहीं ले पाती है और फिर इससे स्ट्रक्चर को डैमेज हो सकता है। इसलिए, जब भी आप टेरेस गार्डन बनवाएं तो यह सुनिश्चित करें कि बिल्डिंग स्ट्रक्चर डैमेज रोकने के लिए अतिरिक्त वजन को आसानी से सह सके।

बहुत अधिक लागत

टेरेस गार्डन बनवाना तो हम सभी चाहते हैं, लेकिन वास्तव में यह आपकी जेब पर बहुत अधिक भारी पड़ सकता है। टैरेस गार्डन बनाने में कंटेनर, मिट्टी, पौधों और सिंचाई आदि की शुरुआती लागत बहुत अधिक आ सकती है। इतना ही नहीं, बाद में टेरेस गार्डन के रख-रखाव में भी आपको काफी अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

कीटो का संक्रमण

टेरेस गार्डन के साथ एक समस्या यह होती है कि वह कीटों के प्रति संवेदनशील होते हैं। यह आपके प्लांट्स को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अक्सर लोग टेरेस गार्डन का सही तरह से ख्याल नहीं रख पाते हैं, जिससे पेस्ट से जुड़ी समस्या बढ़ने लगती है। इतना ही नहीं, टेरेस गार्डन में चूहों और पक्षियों को कंट्रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है।

खाने के अलावा साफ-सफाई में भी काम आता है कॉर्नफ्लोर

दाग से छुटकारा

अगर कालीन पर स्याही के दाग लग गए हैं, तो एक बड़े चम्मच दूध में कॉर्नफ्लोर मिलाकर पेस्ट बनाएं और दाग पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। जब पेस्ट सूख जाए, तो उसे झाड़ दें और उस दाग वाले हिस्से पर वैक्यूम क्लीनर से एक बार साफ कर लें।

खिलौने खिल उठेंगे

अगर स्टफ्ड खिलौने गंदे हो गए हैं, तो उनकी धूल निकालने का काम भी कॉर्नफ्लोर बड़े आराम से कर सकता है। बड़ा खिलौना हो, तो पूरे खिलौने पर थोड़ा-थोड़ा कॉर्नफ्लोर छिड़क दें। पांच मिनट रुकें और फिर ब्रश से खिलौने के फर को झाड़ दें। सारी गंदगी निकल जाएगी और खिलौना चमक उठेगा।

छोटे खिलौनों की सफाई

अगर छोटे स्टफ्ड खिलौनों को साफ करना हो, तो खिलौनों को एक बैग में डालें, उसमें थोड़ा कॉर्नफ्लोर डालकर, बैग का मुंह बांध दें। फिर बैग को अच्छी तरह से हिलाएं। थोड़ी देर बाद बैग खोलकर, खिलौनों को ब्रश से साफ कर लें।

उलझे को सुलझाए

जूतों के फीते या रस्सियां कई बार बेतरह सख्ती से भिंच जाती हैं। इनकी गठानें खोलना मुमकिन है, कॉर्नफ्लोर की मदद से। उलझी हुई गांठों पर कॉर्नफ्लोर का पेस्ट लगा दीजिए, गठानें आसानी से खुल जाएंगी।

चिक्कट सफाचट

रसोई की दीवार पर तेल-घी के दागों के कारण सतह एकदम चिक्कट हो जाती है। इसे साफ करने में समय और साबुन दोनों बहुत लगते हैं। कॉर्नफ्लोर आसानी से इसमें मदद कर सकता है। एक नर्म कपड़े पर कॉर्नफ्लोर छिड़किए और दागों पर हल्के हाथ से तब तक रगड़िए जब तक कि वो साफ ना हो जाए। वैसे ज्यादा समय नहीं लगेगा।

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं कहीं आप

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

इनडोर प्लांट्स के लिए बेस्ट होते हैं ये फर्टिलाइजर

अपने हाउसप्लांट की बेहतर ग्रोथ के लिए फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ऐसे कई फर्टिलाइजर होते हैं, जिन्हें इनडोर प्लांट्स के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

आज के समय में हम सभी अपने घर की खूबसूरती को कई गुना बढ़ाने के लिए प्लांट्स का इस्तेमाल करते हैं। यकीनन ये आपके घर को अधिक हरा-भरा और पॉजिटिव बनाते हैं। अमूमन जब भी हम अपने घर में प्लांट्स लगाते हैं तो हमारी इच्छा यही होती है कि हर दिन उनकी ग्रोथ हो। हालांकि, इसके लिए आपको उनकी सही तरह से देखभाल करनी होती है। इनडोर प्लांट्स को सही जगह पर रखने से लेकर उनकी पानी व फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। हालांकि, इनडोर प्लांट्स की जरूरतें अलग होती हैं और इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि आप अपने इनडोर प्लांट के लिए सही फर्टिलाइजर का चयन करें। ऐसे कई फर्टिलाइजर होते हैं जो इनडोर प्लांट के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं और वे उन्हें पोषित करने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही फर्टिलाइजर के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपने इनडोर प्लांट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं-

आर्गेनिक फर्टिलाइजर

आर्गेनिक फर्टिलाइजर प्लांट में पोषक तत्व शामिल करते हैं और ये मिट्टी की संरचना में सुधार करते हैं। इन्हें नेचुरल रिसोर्स से बनाया जाता है। मसलन, आर्गेनिक फर्टिलाइजर बनाने के लिए खाद, कम्पोस्ट या अन्य कार्बनिक पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें सीधे मिट्टी में इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कम्पोस्ट चाय बनाकर भी उसे प्लांट में डाल सकते हैं। यह फर्टिलाइजर एनवायरनमेंट फ्रेंडली माने जाते हैं।

लिक्विड फर्टिलाइजर

लिक्विड फर्टिलाइजर आमतौर पर लिक्विड होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करने से पहले पानी के साथ डायलूट किया जाता है। इन्हें प्लांट रूट्स द्वारा जल्दी से अब्जॉर्ब किया जाता है। लिक्विड फर्टिलाइजरआर्गेनिक होते हैं और इन्हें आर्गेनिक मैटीरियल जैसे सीवीड्स, कंपोस्ट एक्सट्रैक्ट की मदद से बनाया जाता है। इन्हें मिक्स करना और प्लांट्स पर अप्लाई करना काफी आसान होता है।

वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर

वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर ऐसे फर्टिलाइजर होते हैं, जो पानी में आसानी से घुल जाते हैं। आप अपने रेग्युलर वाटर रूटीन में इसे शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बस उन्हें पानी के साथ मिलाएं और अपने वाटरिंग सेशन में इस फर्टिलाइजर में शामिल करें। वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, और पोटेशियम का बैलेंस अनुपात सही होता है। जहां नाइट्रोजन पत्तों की ग्रोथ में मददगार है, वहीं पोटेशियल ओवर ऑल प्लांट हेल्थ पर अच्छा असर छोड़ते हैं। वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर प्लांट द्वारा काफी जल्दी अब्जॉर्ब कर लिए जाते हैं।

स्लो रिलीज फर्टिलाइजर

स्लो रिलीज फर्टिलाइजर समय के साथ धीरे-धीरे पोषक तत्व रिलीज करते हैं। जिसके कारण आपको इन्हें बार-बार इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होती है। इस तरह के फर्टिलाइजर को मिट्टी की सतह पर लगाया जाता है। अगर आप बहुत अधिक बिजी रहते हैं और अपने प्लांट की केयर के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल सकते हैं तो ऐसे में स्लो रिलीज फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है।

भारत बोला-पाकिस्तान को इंसानियत के नाते बाढ़ का अलर्ट दिया

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बातचीत बंद थी; जम्मू में रिकॉर्ड बारिश से वहां बाढ़ का खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली, भारत ने जम्मू-कश्मीर की तवी नदी में बाढ़ के हालात को देखते हुए मानवीय आधार पर पाकिस्तान को इसकी जानकारी दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम पूरी तरह से मानवीय सहायता के मकसद से उठाया गया है। इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन ने रविवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को बाढ़ की जानकारी दी है। यह पहला मौका है जब इस तरह की जानकारी हाई कमीशन के जरिए साझा की गई। आमतौर पर, सिंधु जल संधि के तहत बाढ़ से जुड़ी चेतावनी दोनों देशों के वाटर कमिश्नर के बीच शेयर की जाती थी। इसी साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से दोनों देशों में बातचीत लगभग बंद है। पाकिस्तानी मीडिया का दावा था भारत ने संधि के तहत जानकारी दी आज पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारत ने सिंधु जल संधि के तहत

पाकिस्तान को संभावित बाढ़ की जानकारी दी है। जियो न्यूज और द न्यूज इंटरनेशनल ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत ने 24 अगस्त की सुबह जम्मू की तवी नदी में बाढ़ की आशंका को लेकर इस्लामाबाद को आगाह किया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 में पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके तहत सिंधु वाटर सिस्टम की 3 पूर्वी नदियों का पानी भारत इस्तेमाल कर सकता है और बाकी 3 पश्चिमी नदियों के पानी पर पाकिस्तान को अधिकार दिया गया था। सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के पीएम नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए।

इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

भारतीय राजदूत बोले- रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत

जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहीं से लेंगे; ट्रम्प के टैरिफ को बेबुनियाद बताया

एजेंसी

मॉस्को, रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। रविवार को रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां उन्हें सबसे अच्छा सौदा मिलेगा। उन्होंने भारत पर अमेरिका के 50% टैरिफ को बेबुनियाद बताया। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50% टैरिफ देना होगा। भारत में रूसी डिप्लोमेट रोमन

बाबुश्किन ने 20 अगस्त को बताया था कि भारत को रूस के कच्चे तेल पर करीब 5% की छूट मिल रही है।। भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है। इससे पहले ट्रम्प के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो ने भारत पर रूस से तेल खरीदकर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया था। नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि भारत सस्ते दाम पर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, इंडियन कंपनियां उसे रिफाइन कर महंगे दाम पर दुनिया में बेच रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे रूस को यूक्रेन जंग के लिए पैसा मिल रहा है, जबकि भारत मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हमें सामान बेचकर उससे मिलने वाले पैसों से रूसी तेल खरीदता हैं, जिससे तेल कंपनियां खूब पैसा कमाती हैं। इसलिए भारत पर टैरिफ लगाना जरूरी है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस-यूक्रेन जंग की शांति का रास्ता भारत से होकर ही जाता है। भारत कई यूक्रेन जंग को बढ़ावा देने वाले अमेरिकी आरोपों को खारिज कर चुका है। पिछले हफ्ते ही विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार नहीं है, बल्कि चीन है।

बांग्लादेश बोला- पाकिस्तान 1971 के जनसंहार के लिए माफी मांगे

पाकिस्तानी मंत्री बोले – दो बार मांग चुके; दोस्ती के लिए इस्लाम का वास्ता दिया

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 में हुए जनसंहार के लिए माफी मांगने को कहा है। दरअसल, पाक उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार बांग्लादेश दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश के साथ 1971 का विवाद हल हो चुका है। हालांकि, बांग्लादेश ने पाकिस्तान के दावे को खारिज कर दिया। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने साफ कहा कि पुराने मुद्दों को सुलझाकर ही दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं। दरअसल, 1971 की जंग में पाकिस्तानी सेना पर हजारों बांग्लादेशी महिलाओं के साथ रेप, हत्या और आगजनी का आरोप लगा था। इसे लेकर इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान 2 बार बांग्लादेश से माफी मांग चुका है। डार ने बांग्लादेश से संबंध बेहतर करने के लिए इस्लाम की दुहाई भी दी। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा- इस्लाम भी हमें अपने दिलों को पाक (शुद्ध) करने के लिए कहता है। इशाक डार 23 और 24 अगस्त को बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा पर थे। उन्होंने ढाका में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विदेश सलाहकार से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि ये मुद्दे साल

1974 में और फिर 2000 में परवेज मुशर्रफ के दौरे के दौरान हल हो चुके थे। डार ने कहा कि उस समय (1974) के ऐतिहासिक दस्तावेज हैं जो दोनों देशों के पास उपलब्ध हैं। डार ने कहा कि अब दोनों देशों को नए सिरे से शुरूआत करनी चाहिए और एक परिवार की तरह साथ मिलकर काम करना चाहिए। हालांकि बांग्लादेशी विदेश सलाहकार ने इससे साफ इनकार किया। उन्होंने साफ कहा कि वे पाकिस्तानी मंत्री के दावे को सही नहीं मानते।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ होता तो दोनों देशों के बीच विवाद का निपटारा हो चुका होता। बांग्लादेश ने बयान जारी कर पाकिस्तान से अपनी पुरानी मांगे दोहराईं। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान को साल 1971 के नरसंहार की माफी, बंटवारे के समय की संपत्ति का उचित बंटवारा, 1970 के चक्रवात पीड़ितों के लिए दी गई विदेशी सहायता का हस्तांतरण और बांग्लादेश में फंसे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी जैसे पुराने और ऐतिहासिक मुद्दों का हल किया जाना चाहिए। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक 1974 में जुल्फिकार अली भुट्टो ढाका गए थे और वहां उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से खेद जताया था, लेकिन पाकिस्तान ने कभी पूरी तरह औपचारिक माफी नहीं मांगी। 2002 में मुशर्रफ ने भी दौरे के दौरान अफसोस जताया था लेकिन उन्होंने भी कभी औपचारिक माफी नहीं मांगी। वहीं बंटवारे के बाद की संपत्ति को लेकर पाकिस्तान का रुख हमेशा टालमटोल वाला रहा। यही वजह है कि बांग्लादेश आज भी इन मुद्दों को अनसुलझा मानता है। रविवार को भी स्थिति वही रही। पाकिस्तान ने कहा कि पुराने मामले निपट चुके हैं, जबकि बांग्लादेश का कहना है कि जब तक जनसंहार की जिम्मेदारी और बकाया संपत्ति का मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक इन विवादों को खत्म नहीं माना जा सकता।

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 10वां टेस्ट टला

ग्राउंड सिस्टम में खराबी पता चली, अब कल सुबह 5 बजे लॉन्चिंग होगी

एजेंसी

टेक्सास, दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 10वां टेस्ट ग्राउंड सिस्टम में आई खराबी के कारण टाल दिया गया है। ग्राउंड सिस्टम में खराबी का मतलब है कि रॉकेट लॉन्च करने के लिए जमीन पर मौजूद उपकरणों, मशीनों या सिस्टम में कोई तकनीकी समस्या आ गई है। इसे आज यानी, 25 अगस्त को बोका चिका से सुबह 5 बजे लॉन्च किया जाना था। अब भारतीय समय

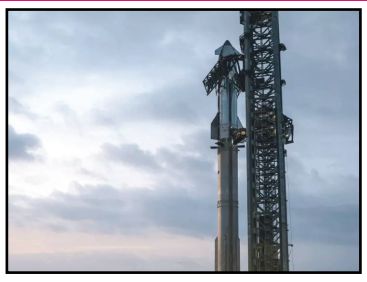

के अनुसार मंगलवार सुबह 5 बजे इसे लॉन्च किया जाएगा। इससे पहले ये टेस्ट 29 जून को होना था, लेकिन स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान स्टारशिप में ब्लास्ट हो गया था। इस टेस्ट में रॉकेट को जमीन पर रखकर उसके इंजन को चालू किया जाता है,

ताकि लॉन्च से पहले सब कुछ ठीक हो, ये चेक किया जा सके। टेस्ट के दौरान रॉकेट के ऊपरी हिस्से में अचानक विस्फोट शुरू हुआ। देखते ही देखते पूरा रॉकेट आग के गोले में बदल गया था। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। इस व्हीकल की ऊंचाई 403 फीट है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है। 28 मई 2025 को हुए 9वें टेस्ट में लॉन्चिंग के करीब 30 मिनट बाद स्टारशिप ने कंट्रोल खो दिया था, जिस कारण पृथ्वी के वातावरण में एंटर करने पर ये नष्ट हो गया था। ये लगातार तीसरी बार था जब स्टारशिप आसमान में ही नष्ट हुआ था।

हर चीज का श्रेय लेने की कोशिश करती है भाजपा...

अनुराग ठाकुर के हनुमान वाले बयान पर बोले अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सपा नेता ने कहा कि उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इतने वर्षों तक कड़ी मेहनत की होगी और कठोर प्रशिक्षण लिया होगा, जिसके बाद उन्हें यह सफलता मिली है।

लखनऊ, समाजवादी पार्टी प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उस टिप्पणी की आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि भगवान हनुमान अंतरिक्ष में सबसे पहले गए थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा हर चीज का श्रेय लेने की कोशिश करती है। समाजवादी पार्टी नेता ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भी बधाई दी, जो हाल ही में एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सपा नेता ने कहा कि उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इतने वर्षों तक कड़ी मेहनत की होगी और कठोर प्रशिक्षण लिया होगा, जिसके बाद उन्हें यह सफलता मिली है। यह देश के लिए, उनके लिए व्यक्तिगत रूप से और उनके परिवार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष की उनकी यात्रा ने देश को गौरवान्वित किया है। देश के संसाधनों का उपयोग किया गया। सपा प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मिशन किसी राजनीतिक दल की बजाय वैज्ञानिकों के समर्पण और अंतरिक्ष यात्री की प्रतिबद्धता का परिणाम होते हैं। अनुराग ठाकुर का सीधे नाम लिए बिना, यादव ने सत्तारूढ़ दल पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, ₹भाजपा हर चीज का श्रेय लेने की कोशिश करती है। अब वे कह रहे हैं कि हमारे भगवान हनुमान अंतरिक्ष में सबसे पहले गए थे। हम हमेशा कहते हैं कि हमारे सभी देवता अंतरिक्ष में रहते हैं।₹ यह विवाद तब शुरू हुआ जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूली बच्चों से बात करते हुए पूछ रहे थे, ₹अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?₹ जब छात्रों ने जवाब दिया, ₹नील आर्मस्ट्रांग,₹ तो ठाकुर ने कहा, ₹मुझे लगता है कि हनुमान जी अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति थे। हिमाचल प्रदेश के ऊना स्थित श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रों से बातचीत करते हुए

भारतीय सेनाओं ने कायराना हमलों का दिया मुंहतोड़ जवाब

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर बोले राजनाथ सिंह

राजस्थान के जोधपुर में बोलते हुए, वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादियों ने लोगों के नाम और धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी थी, लेकिन हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। राजस्थान के जोधपुर में बोलते हुए, वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

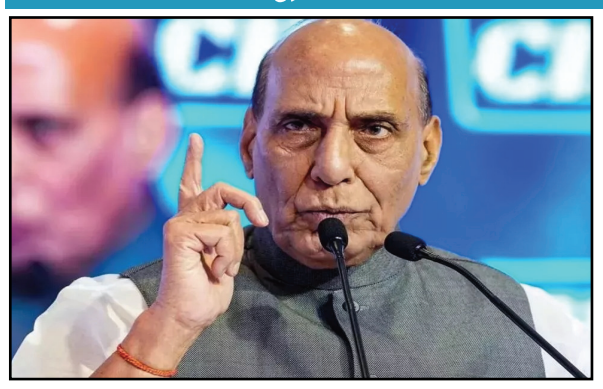

राजनाथ ने यह भी कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' (सारी दुनिया एक परिवार है) की अवधारणा में विश्वास करता है और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और तय किए गए ठिकानों पर सटीक हमला किया। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी समूहों से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किए गए। वह एक रक्षा और खेल अकादमी का उद्घाटन करने और सैनिकों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए जोधपुर में थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं जब भी, हमारे किशोरों और युवाओं से मिलता हूँ, और उनकी आँखों में चमक और संकल्प देखता हूँ, उससे मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। यही ऊर्जा, हमारे आने वाले भारत की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा और उनका संकल्प, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखा। जिस प्रकार हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया, उसे पूरी दुनिया ने देखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारी सेनाओं को सभी सीमावर्ती क्षेत्रों से भी पूरा समर्थन मिला। यह हमें सिखाता है कि देश की सुरक्षा सिर्फ सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, हर नागरिक और हर युवा, अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहेंगे, तभी हम हर मुश्किल का सामना कर पाएँगे। राजनाथ ने कहा कि विद्या भारती संस्थान, भारत की शैक्षणिक परम्परा का एक जीता-जागता उदाहरण है।

कमाई के लिए मजाक बर्दाश्त नहीं

दिव्यांगों पर जोक को लेकर समय रैना पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कहा- माफी मांगो

शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी एसएमए क्योर फाउंडेशन द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई, जिसमें हास्य कलाकार समय रैना, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर पर दिव्यांग लोगों के लिए असंवेदनशील चुटकुले बनाने का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हास्य कलाकारों से कहा कि आपने अदालत के समक्ष जो माफी मांगी है

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को समय रैना समेत कई हास्य कलाकारों को उनके स्टैंड-अप शो में दिव्यांग लोगों का मजाक उड़ाने वाले असंवेदनशील चुटकुलों के लिए फटकार लगाई और उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी माफी मांगने को कहा। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी एसएमए क्योर फाउंडेशन द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई, जिसमें हास्य कलाकार समय रैना, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर पर दिव्यांग लोगों के लिए असंवेदनशील चुटकुले बनाने का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हास्य कलाकारों से कहा कि आपने अदालत के समक्ष जो माफी मांगी है, वही माफी अपने सोशल मीडिया के समक्ष भी दीजिए। यह याचिका रणवीर इलाहाबादिया और आशीष चंचलानी के मामलों के साथ सूचीबद्ध की गई थी, जिन्होंने समय रैना के 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के संबंध में अलग-अलग जगहों पर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि प्रभावशाली लोग भाषण का व्यवसायीकरण कर रहे हैं

धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे पर बढ़ा सियासी पारा

अमित शाह के बयान पर जयराम रमेश का बड़ा दावा

एक पोस्ट में, रमेश ने कहा कि आज गृह मंत्री ने और भी कुछ कहने की कोशिश की है। लेकिन उन्होंने केवल रहस्य को और बढ़ा दिया है। इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि किसानों के हितों की वकालत करने वाले अदम्य और उत्साही धनखड़ एक महीने से भी अधिक समय से पूरी तरह से संपर्क से बाहर क्यों हैं।

एजेंसी

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सोमवार को दिए गए बयान के बाद कि विपक्ष को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर हंगामा नहीं करना चाहिए, इस कहानी में और भी कुछ हो सकता है। कांग्रेस नेता ने धनखड़ की मानदंडों, शिष्टाचार और प्रोटोकॉल का पालन करने और किसानों के कल्याण तथा न्यायिक जवाबदेही के लिए निडर होकर बोलने के लिए प्रशंसा की। पर एक पोस्ट में, रमेश ने कहा कि आज गृह मंत्री ने और भी कुछ कहने की कोशिश की है। लेकिन उन्होंने केवल

रहस्य को और बढ़ा दिया है। इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि किसानों के हितों की वकालत करने वाले अदम्य और उत्साही धनखड़ एक महीने से भी अधिक समय से पूरी तरह से संपर्क से बाहर क्यों हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया और विपक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि वह घर में नजरबंद हैं। शाह ने कहा कि धनखड़ साहब का त्यागपत्र अपने आप में स्पष्ट है। उन्होंने अपने इस्तीफे के लिए स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने अपने अच्छे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों और सरकार के सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेश जायसवाल पुत्र भगवान दास जायसवाल निवासी ग्राम सरायबृसिंह उर्फ सारयबाहर (हाजीगंज) विकासखंड सोरांव व तहसील सोरांव जनपद प्रयागराज का निवासी हूं। मेरा भतीजा (भाई का पुत्र) के आधार कार्ड में गलती से अक्षत जायसवाल पुत्र स्वर्गीय राकेश जायसवाल दर्ज है। जबकि भतीजे का सही नाम राज जायसवाल है इसलिए हमारे भतीजे को भविष्य में राज जायसवाल पुत्र स्वर्गीय राकेश जायसवाल के नाम से जाना पहचाना जाए।